प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

सुविचार

हर सुबह नई उम्मीद लेकर आती है, इसलिए बीते कल की परेशानियों को भूल जाइए।

ई साला कप नामड़ू, RCB ने लगातार दूसरी बार जीता IPL खिताब... » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 150 | दिनांक : सोमवार, 01 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

हिमाचल नगर निगम चुनाव में कांग्रेस को झटका

भाजपा का दमदार प्रदर्शन

धर्मशाला, मंडी और सोलन में कांग्रेस पर भारी पड़ी भाजपा, विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, नगर निगमों में भाजपा की बढ़त

नगर निगम नतीजों ने बढ़ाई कांग्रेस की चिंता, विधानसभा चुनाव से पहले चेतावनी

» प्रथम न्यूज । शिमला

31 मई (एएम नाथ)

नगर निगम चुनाव के नतीजे आ गए हैं। साढ़े तीन सालों से प्रदेश की सत्ता में काबिज कांग्रेस के लिए नतीजे सुखद नहीं रहे हैं। धर्मशाला, मंडी व सोलन में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है, दूसरी तरफ विपक्षी दल भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है।

पार्टी चुनाव चिन्ह पर हुए इन चुनावों के नतीजे बताते हैं कि तीन नगर निगमों में सत्ता विरोधी लहर देखने को मिली। पालमपुर नगर निगम में कांग्रेस की लाज बच पाई है। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का प्रचार, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार की मजबूत रणनीति व मंत्रियों का प्रचार भी अपना जलवा नहीं दिखा पाया।

प्रदेश की सत्ता पर साढ़े तीन साल से काबिज कांग्रेस के लिए इस हार को बड़ा झटका माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। प्रदेश की सत्ता का रास्ता नगर निगम व पंचायत से होकर ही गुजरता है।

कांग्रेस का कहना है कि हार के कारणों का पता लगाने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कारण ढूंढने से ज्यादा उस पर अमल करना जरूरी रहता है। जो वायदे जनता से किए थे उसमें से कितने पूरे हुए, सत्ता विरोधी रुझान को दूर करने के लिए अभी से काम शुरू हो तो इसके फायदे मिल सकते हैं।

सोलन की हार के सियासी मायने ज्यादा

शिमला संसदीय क्षेत्र के तहत पड़ने वाले नगर निगम चुनावों में कांग्रेस की हार के कई सियासी मायनें है। शिमला संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार, सहित पांच मंत्री संबद्ध रखते हैं। बोर्ड निगमों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित मुख्यमंत्री कार्यालय में भी इस संसदीय क्षेत्र से कई नेताओं को कुर्सी मिली है। स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल का यह गृह क्षेत्र हैं।

उन्हें पार्टी ने चुनावों के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक लगाया था। इसके अलावा उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और पंचायती राज मंत्री अनिरूद्ध सिंह जैसे दिग्गज नेताओं को इंचार्ज बनाकर नगर निगम चुनाव में जीत दिलाने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी। लेकिन वे भी अपना जलवा नहीं दिखा पाए।

बीच चुनाव में बाली ने छोड़ी थी जिम्मेदारी

धर्मशाला नगर निगम में मंत्री चौधरी चंद्र कुमार को वरिष्ठ पर्यवेक्षक और विधायक रघुबीर सिंह बाली को प्रभारी बनाया गया है। सांसद अनुराग शर्मा और पूर्व मेयर देवेंद्र जग्गी को सह प्रभारी थे। 8 मई को आरएस बाली ने प्रभारी की जिम्मेदारी छोड़ी थी।

उन्होंने परिवार में अचानक उत्पन्न हुई स्वास्थ्य परिस्थिति का तर्क देते हुए पार्टी से उनके स्थान पर किसी अन्य को जिम्मा सौंपने का आग्रह किया था। जिसके बाद पार्टी ने विप्लव ठाकुर को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। उनके इस तरह से जिम्मेदारी छोड़ना राजनीतिक गलियारों में खासी चर्चा का विषय बना था।

मुकेश व विक्रमादित्य का नहीं चला मंडी में जादू

मंडी की हार भी कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। विधानसभा व लोकसभा में भी कांग्रेस यहां से बूरी तरह हार चुकी है। अब नगर निगम चुनावों में भी मुंह की खानी पड़ी है। मंडी नगर निगम चुनावों के लिए उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। उनके साथ मंत्री विक्रमादित्य सिंह और रोहित ठाकुर को प्रभारी बनाया गया है। उनका भी जादू यहां नहीं चल सका।

आशीष पर बरसा स्नेह, पार्टी की बची साख

पालमपुर में मंत्री राजेश धर्माणी, यादविंदर गोमा और विधायक आशीष बुटेल संयुक्त रूप से चुनावी कमान सौंपी गई थी। कांग्रेस ने तीन जोनों में बांटकर अलग-अलग विधायकों को जिम्मेदारी सौंपी थी। आशीष बुटेल यहां से विधायक है उनकी ठोस रणनीति काम आई। इस जीत ने न केवल कांग्रेस की लाज बची है।

प्रत्याशी चयन में पिछड़ी थी कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी ने निगम चुनावों के लिए टिकट आबंटन के लिए भी आवेदन मांगे थे। टिकट आबंटन को लेकर बैठक में विवाद उपजा। संगठन ने टिकट आबंटन में बहुत देरी की। कई टिकट तो नामांकन से एक दिन पहले ही दिए गए। जबकि दूसरे दलों की ओर से नामांकन भी किया जा चुका था। यह भी एक वजह थी कि कांग्रेस का चेहरा ही क्लीयर नहीं था कि कौन प्रत्याशी होगा।

अध्यक्ष बनने के बाद पहला ही चुनाव हारे विनय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद विनय कुमार के नेतृत्व में यह पहला चुनाव था। नगर परिषद व नगर पंचायत चुनावों में कांग्रेस ने अच्छी सफलता हासिल की थी। वह चुनाव पार्टी चुनाव चिन्ह पर नहीं था। नगर निगम का चुनाव पार्टी चिन्ह पर था जिसमें कांग्रेस के पक्ष में नतीजे नहीं आए हैं।

दो दिन ही उतरे थे प्रचार में सीएम

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू नगर निगम चुनावों में दो दिन प्रचार में उतरे थे। उन्होंने मंडी से अपने प्रचार की शुरूआत की थी। इसके बाद वह पालमपुर, धर्मशाला और सोलन गए थे। कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल भी तीन दिन हिमाचल में थी और प्रचार में थी।

संक्षिप्त न्यूज

होर्मुज से ईरान जा रहे जहाज पर US नेवी का हमला

इंजन रूम में दागी मिसाइल, अब तक 5 जहाजों पर हो चुकी कार्रवाही

तेल अबीब (एजेंसी)- अमेरिकी सेना ने खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच एक बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने शनिवार (30 मई 2026) को जानकारी दी कि उसने ईरान के बंदरगाह की तरफ बढ़ रहे गाम्बिया के ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर मिसाइल हमला कर डिसेबल कर दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब जहाज के चालक दल ने अमेरिकी सेना की कई चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह घटना 29 मई को हुई। एम/वी लियान स्टार नाम के इस जहाजी बेड़े को रोकने के लिए अमेरिकी वायुसेना के एक लड़ाकू विमान ने सीधे उसके इंजन रूम को निशाना बनाकर हेलफायर मिसाइल दागी। इस हमले के बाद जहाज बीच समुद्र में ही ठप पड़ गया और आगे बढ़ने के काबिल नहीं रहा।

20 से अधिक चेतावनियों को किया गया था अनसुना

CENTCOM ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि एम/वी लियान स्टार को रोकने के लिए एक के बाद एक 20 से अधिक मौखिक और रेडियो चेतावनियां दी गई थीं। जब जहाज के चालक दल ने अमेरिकी सेना के निर्देशों का पालन करने से साफ इनकार कर दिया, तब जाकर बल प्रयोग का फैसला लिया गया।

सीएम नायब सैनी ने डेरा ब्यास प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से की मुलाकात

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ब्यास में गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच सामाजिक, आध्यात्मिक और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने समाज में सद्भावना, भाईचारे और नैतिक मूल्यों को मजबूत बनाने में डेरा ब्यास की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा और सामाजिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयास प्रेरणादायक हैं।

राधा स्वामी सतसंग ब्यास द्वारा समाज सेवा, आध्यात्मिक जागरूकता और मानव कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। मुलाकात के दौरान सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों के संरक्षण और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने मानवता की सेवा के प्रति डेरा ब्यास की प्रतिबद्धता को सराहनीय बताते हुए इसके निरंतर प्रयासों की प्रशंसा की।

पंजाब बोर्ड परीक्षाओं में बड़ा बदलाव

समान अंक पाने वाले विद्यार्थियों को अब समान रैंक और सम्मान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

31 मई (एएम नाथ)

पंजाब में बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों और टॉपर रैंकिंग व्यवस्था को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की है कि भविष्य में समान अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जन्म तिथि के आधार पर अलग-अलग स्थान नहीं दिए जाएंगे। ऐसे सभी विद्यार्थियों को समान रैंक और बराबर सम्मान मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने यह फैसला रविवार को बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान समारोह के दौरान लिया। कार्यक्रम में दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री के साथ चर्चा भी की।

कार्यक्रम के दौरान अमृतसर की एक छात्रा ने मुख्यमंत्री के सामने मौजूदा रैंकिंग व्यवस्था का मुद्दा उठाया। छात्रा ने बताया कि उसके जिले में तीन छात्राओं ने समान अंक प्राप्त किए थे, लेकिन जन्म तिथि के आधार पर उन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रखा गया। इसके कारण केवल प्रथम घोषित छात्रा को मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान प्राप्त करने का अवसर मिला, जबकि समान अंक हासिल करने वाली अन्य दो छात्राएं इस सम्मान से वंचित रह गईं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने छात्रा की बात को गंभीरता से सुना और मौके पर ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थियों ने समान अंक प्राप्त किए हैं तो उनके बीच किसी भी प्रकार का अंतर करना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में समान अंक पाने वाले सभी विद्यार्थियों को संयुक्त रूप से समान रैंक दी जाएगी और सम्मान के मामले में भी कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।

मेहनत को मिलेगा पूरा सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और विद्यार्थियों की मेहनत का पूरा सम्मान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और भविष्य के निर्माण से भी जुड़ी हुई है। इसलिए किसी भी विद्यार्थी को केवल तकनीकी आधार पर पीछे नहीं रखा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री के इस फैसले का कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने स्वागत किया। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि यह निर्णय अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे भविष्य में समान अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बराबरी का सम्मान और अवसर मिल सकेगा तथा उनमें किसी प्रकार की असमानता की भावना पैदा नहीं होगी।

केरल की दहलीज पर मानसून; अगले 3-4 दिनों में होगी एंट्री

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

31 मई (ब्यूरो)

देशभर में भीषण गर्मी के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब केरल तट के बेहद करीब पहुंच चुका है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के ताजा अपडेट के अनुसार अगले 3-4 दिनों के दौरान मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के और हिस्सों, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ क्षेत्रों, साथ ही बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून की उत्तरी सीमा फिलहाल अरब सागर से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है, जो इसके लगातार आगे बढ़ने का संकेत है। केरल के दक्षिणी और मध्य इलाकों में मानसून पूर्व गतिविधियां तेज हो गई हैं। कई स्थानों पर बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं दर्ज की जा रही हैं, जिससे मानसून की औपचारिक एंट्री की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

हालांकि, मानसून के आगमन को लेकर एक मिश्रित तस्वीर भी सामने आई है। तिरुवनंतपुरम में आईएमडी की निदेशक नीथा के। गोपाल के अनुसार इस बार जून महीने में केरल समेत देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। अनुमान है कि मानसून की शुरुआत के बाद 10 जून के आसपास अच्छी बारिश हो सकती है, लेकिन उसके बाद बारिश की गतिविधियां कमजोर पड़ सकती हैं। ऐसे में जून का कुल वर्षा स्तर सामान्य से नीचे रहने की आशंका जताई गई है। मानसून अभी भले ही दक्षिण भारत के करीब हो, लेकिन उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी प्रणालियों के कारण मौसम ने करवट ले ली है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में बारिश, आंधी और तेज हवाओं ने लोगों को लू और भीषण गर्मी से राहत दी है।

दिल्ली-एनसीआर में 31 मई को हल्की बारिश, गरज-चमक और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि 3-4 जून के बाद आसमान साफ होने के साथ तापमान फिर तेजी से बढ़ सकता है।

IMD ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अगले कुछ घंटों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। गौतमबुद्ध नगर, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, बहराइच और सीतापुर में बिजली गिरने, 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

वहीं बरेली, बिजनौर, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, पीलीभीत, रामपुर, शाहजहांपुर और सिद्धार्थनगर समेत कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यदि मानसून सामान्य गति से आगे बढ़ता है तो यह जून के दूसरे पखवाड़े में मध्य भारत तक पहुंच सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में मानसून आमतौर पर जून के तीसरे सप्ताह में दस्तक देता है, जबकि दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसके जून के आखिरी सप्ताह या जुलाई की शुरुआत तक पहुंचने की संभावना रहती है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व : हरियाणा के वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क तीर्थ यात्रा

8 जून को रवाना होगी विशेष ट्रेन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

31 मई (एएम नाथ)

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को सोमनाथ मंदिर के निशुल्क दर्शन करवाने के लिए सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस विशेष धार्मिक यात्रा के तहत 8 जून को कुरुक्षेत्र से एक विशेष ट्रेन रवाना होगी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अनुसार, इस यात्रा में शामिल होने के इच्छुक पात्र वरिष्ठ नागरिक 6 जून तक सरल पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। सीमित सीटों को देखते हुए लाभार्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की गई है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है।

साथ ही वह हरियाणा का स्थायी निवासी होना चाहिए और उसकी वार्षिक पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। यात्रा के दौरान सभी लाभार्थियों को अपना मेडिकल प्रमाण-पत्र साथ रखना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि लाभार्थियों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में यात्रा का लाभ ले चुके वरिष्ठ नागरिक इस बार योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।

हरियाणा सरकार की इस पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराना और उनकी आध्यात्मिक आकांक्षाओं को पूरा करना है। सरकार का मानना है कि इससे बुजुर्गों को सम्मानजनक और सुविधाजनक तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

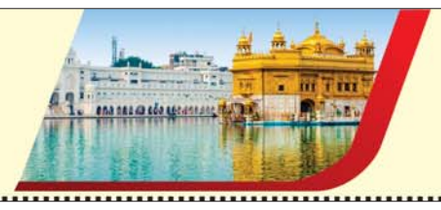

संक्षिप्त न्यूज

विकास परिषद जीरा द्वारा विकास कार्य किए जा रहे हैं : बिट्टू विज़

जीरा (अंग्रेज बराड़)- जीरा विकास परिषद नामक सामाजिक सेवा संगठन का गठन- भारत विकास परिषद से अलग हुए सदस्यों की एक बैठक स्वामी शंकरपुरी जी की समाधि जीरा पर आयोजित की गई, जिसमें नए संगठन के नामकरण, पदाधिकारियों के चयन, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यों और सौंपी जाने वाली जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सुखदेव सिंह बिट्टू विज, गुरबख्श सिंह विज, अशोक पाल्टा, जगदेव शर्मा और चरणप्रीत सिंह सोनू ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सामाजिक सेवा, आपसी सहयोग, सामुदायिक भावना, प्रत्येक सदस्य के प्रति सम्मान और स्वार्थ से ऊपर उठकर काम करने के उद्देश्य से एक नए संगठन का गठन किया जा रहा है। इसका एकमात्र उद्देश्य निस्वार्थ सामाजिक सेवा होगा। सभी सदस्यों की उपस्थिति में यह निर्णय लिया गया कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, एक समिति का गठन किया जाएगा जो भविष्य में किए जाने वाले कार्यों और बैठकों में सहयोग करेगी। सभी सदस्यों के विचार-विमर्श के बाद संगठन का नाम जीरा विकास परिषद रखा गया और इसके पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आपसी सहमति से चरणप्रीत सिंह सोनू को अध्यक्ष, जगदेव शर्मा को महासचिव, पुष्पेंद्र सिंह हैप्पी को वित्त सचिव और गुरबख्श सिंह विज को सह-वित्त सचिव नियुक्त किया गया। श्रीमती वनिता झांजी को महिला विंग की अध्यक्ष चुना गया। आम सभा में श्री सुखदेव सिंह बिट्टू विज को प्रायोजक, अशोक कुमार पलाटा को संयोजक, डॉ. सुभाष उप्पल को सह-संयोजक, श्री रिपन अरोरा को सलाहकार, तरसेम लाल जनेजा को अध्यक्ष, श्री राम प्रकाश को उपाध्यक्ष, नरेश जैन को उपाध्यक्ष, सोनू गुजराल को उपाध्यक्ष, प्रधानाचार्य राकेश शर्मा को सलाहकार, नरिंदर कुमार नारंग को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रताप सिंह हीरा को प्रेस सचिव, लखविंदर शर्मा को कानूनी सलाहकार, अनिल कुमार कुकर को समन्वयक, रिंकू सचदेवा को सह-समन्वयक, श्री गुरचरण शर्मा को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र परियोजना अध्यक्ष, श्री अनिल बजाज को पर्यावरण परियोजना अध्यक्ष और नरेंद्र सिंह को शिक्षा एवं सुविधा क्षेत्र परियोजना अध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त, संगठन में संबंधित परियोजना क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों के समन्वय और आयोजन के लिए 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

जिसमें डॉ. प्रदीप वर्मा, श्री रवि कुमार शर्मा, मनमोहन सिंह गुरजल, हकम सिंह अरोरा, चरणजीत सिंह सिक्की, अमनदीप छाबड़ा, लेक्चरर संजीव सजदेवा, मास्टर अजीत पाल सिंह सतीश बंसल, सोम लाल बजाज, प्रदीप शर्मा, राजेश कुमार मैनी, सतीश कुमार जनेजा, गगन नरूला और संचित जैन शामिल थे। धार्मिक क्षेत्र में भागीदारी के लिए गठित समिति में मास्टर हरभजन सिंह चंद अरोरा, जसदीप सिंह परमार, करण बंसल, दर्शन सिंह मिगलानी, डॉ. हरदीप सिंह अमनदीप नारंग, विजय कपूर, सुरिंदर शर्मा निर्मल चंद्र, डॉ. गगनदीप गुप्ता नन्ना अरोरा शामिल थे। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी कमल पुरी जी महाराज ने सभी सदस्यों को आशीर्वाद दिया और उन्हें पूर्ण समर्पण के साथ सेवा करने के लिए प्रेरित किया। सभी सदस्यों ने आश्वासन दिया कि यह नवगठित संगठन सामाजिक सेवा कार्य में दी गई जिम्मेदारी को पूर्ण समर्पण के साथ निभाएगा!

स्पेशल खिलाड़ी संकल्प के बल पर समाज के लिए बन रहे प्रेरणा स्रोत : परमजीत सचदेवा

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) - जे.एस.एस. आशा किरण स्पेशल स्कूल जहानखेला में पंजाब सरकार द्वारा स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान कर सममानित किया गया। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया तथा अपने विद्यालय, जिले और पंजाब राज्य का नाम रोशन किया। बता दे कि स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन जनवरी से अप्रैल 2024 के दौरान देश के विभिन्न स्थानों पर किया गया था, इस प्रतियोगिता में देशभर से आए विशेष खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर स्पेशल ओलंपिक्स भारत, पंजाब चैप्टर के एरिया डायरेक्टर परमजीत सिंह सचदेवा ने खिलाड़ियों को सममानित करते हुए उनकी असाधारण उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विशेष खिलाड़ी अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के बल पर समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने तथा राष्ट्रीय एंव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया। जे.एस.एस. आशा किरण स्पेशल स्कूल के खिलाड़ियों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कीं और प्रथम, द्वितीय एंव तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और उपलब्धियों की सराहना की गई। जे.एस.एस. आशा किरण स्पेशल स्कूल के पांच खिलाड़ियों सोनिया, कुणाल सेठी, रोहित कुमार, सनी कुमार और गगनदीप सिंह को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए कुल 50,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। समारोह में आशादीप वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष इंजीनियर हरबंस सिंह, सचिव कर्नल गुरमीत सिंह, स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती शेली शर्मा, राम आसा, जिला स्पेशल ओलंपिक्स एसोसिएशन (डीएसओए) की स्पोर्ट्स डायरेक्टर श्रीमती अंजना, वाइस प्रिंसिपल इंदु बाला तथा विद्यालय के अध्यापक एंव स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बठिंडा जेल से रिहा हुए AAP विधायक पठानमाजरा

विरोधियों पर बरसे, कहा जनता के लिए बड़ी कुर्बानी को हूँ तैयार, जल्द लूंगा बड़ा फैसला, राजनीति केवल पद तक सीमित नहीं

» प्रथम न्यूज । बठिंडा
31 मई (ब्यूरो)

आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा रविवार को केंद्रीय जेल बठिंडा से रिहा हो गए। जेल से बाहर आते ही उन्होंने अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए और संकेत दिए कि आने वाले दिनों में उनकी राजनीतिक दिशा को लेकर बड़ा फैसला सामने आ सकता है।

उन्होंने किसी भी निर्णय से पहले अपने समर्थकों और विधानसभा क्षेत्र के लोगों से चर्चा करने की बात कही। रिहाई के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए पठानमाजरा ने कहा कि उन्हें बेवजह परेशान किया गया और उनके खिलाफ दर्ज मामलों में उन्हें निशाना बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और मांगों को मजबूती से उठाने के कारण उन्हें राजनीतिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाना उनका कर्तव्य है और इसी जिम्मेदारी को निभाने की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी।

पठानमाजरा ने कहा कि यदि राज्य सरकार उनके विधानसभा क्षेत्र के विकास और लोगों की मांगों को पूरा करने के लिए गंभीरता से काम करती है तो वह क्षेत्र के हित में किसी भी प्रकार की कुर्बानी देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा

कि राजनीति उनके लिए केवल पद या पार्टी का विषय नहीं, बल्कि लोगों की सेवा का माध्यम है।

पार्टी छोड़ने संबंधी सवाल पर उन्होंने स्पष्ट जवाब देने से परहेज किया, लेकिन उनके बयान ने नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया। उन्होंने कहा कि वह कोई भी फैसला अकेले नहीं लेंगे। पहले अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों से राय-मशविरा करेंगे, उसके बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी।

उन्हें विशेष रूप से निशाना बनाया

विधायक ने दावा किया कि उनके खिलाफ दर्ज अन्य मामलों में कोई मजबूत गवाह नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेल के भीतर भी उन्हें विशेष रूप से निशाना बनाया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि पंजाब और दिल्ली स्तर के पार्टी नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी कई सवाल हैं, जिन पर वह उचित समय पर अपनी बात रखेंगे।

पठानमाजरा ने यह भी कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता उनसे लगातार संपर्क कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने किसी दल का नाम नहीं लिया और कहा कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने समर्थकों से मुलाकात करने और आगे की स्थिति पर विचार करने पर है। रिहाई के बाद उन्होंने सबसे पहले अपने समर्थकों के साथ बाबा बुढ़ा साहिब में माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया।

एकनूर चेरिटेबल ट्रस्ट से निहंग सिंह भगाकर ले गया लड़की, ट्रस्ट वालों ने दर्ज कराया अपहरण और गबन का केस

निहंग सिंहों ने कहा, पता बताने वाले को देंगे 1 लाख रुपए का इनाम।

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
31 मई (साहिब दयाल)

फतहपुर के नजदीक पड़ते अड्डा बोहोड़ू में पिछले लंबे समय से संचालित एकनूर चेरिटेबल ट्रस्ट में पिछले 18 साल से रह रही दो अनाथ बहनें जिसमें एक लड़की को एक निहंग सिंह द्वारा भगाकर ले जाने का मामले सामने आया है। नाराज हुए ट्रस्ट के निहंग सिंहों ने आरोपित के खिलाफ लड़की के अपहरण और ट्रस्ट के पैसों में लाखों रुपए की हेराफेरी और अत्याचार के तहत कार्रवाई की मांग की है। इस बारे में जानकारी देते हुए मिसल शहीदा तरना दल दोयाबा के मुखी जत्थेदार बाबा कुलजीत सिंह ने बताया कि एकनूर चेरिटेबल ट्रस्ट की संचालिका बीबी मनजीत कौर की शिकायत पर पुलिस कमिश्नर को आरोपित निहंग सिंह के खिलाफ लाखों रुपए का गबन किए जाने और ट्रस्ट में रहती अनाथ लड़की उम्र करीब 18 साल का अपहरण करने का मामला दर्ज कराया गया है। ट्रस्ट के निहंग सिंहों का आरोप है कि लड़की को निहंग सिंह के साथ सोशल मीडिया अकाउंट पर कहीं देखा गया है। जब उन्होंने निहंग बने आरोपी परमिंदर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह गेट नंबर 6 जिला मुक्तसर साहिब के घर जाकर पूछताछ की तो उसके परिजनों ने लड़की और निहंग परिन्दर सिंह के आने की बात को स्वीकार नहीं किया। लेकिन 15 मई को दोनों चेरिटेबल ट्रस्ट बहोड़ू से गायब हैं। घटना के सामने आते ही निहंग सिंहों में गुस्सा फूट पड़ा और सोशल मीडिया पर इन दोनों की फोटो डालकर जल्द पकड़ने की मांग की जा रही है। जत्थेदार बाबा कुलजीत सिंह और ट्रस्ट की संचालिका बीबी मनजीत कौर ने बताया कि निहंग बने में रहता परमिंदर सिंह उम्र 44 साल पहले से शादीशुदा है उसके बच्चे भी हैं पिछले 15 सालों से ट्रस्ट में ड्राइवर की नौकरी करता था और लड़की अकाउंटेट थी। उन्होंनो पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल अमृतसर पुलिस द्वारा अपहरण और गबन का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

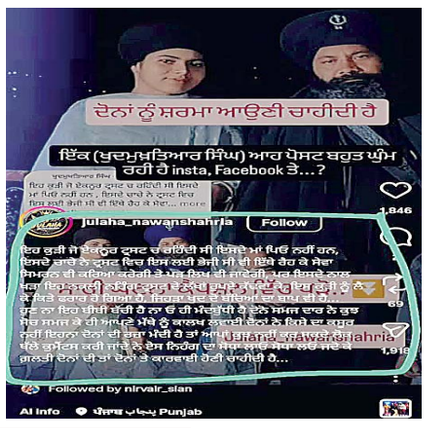

श्री हरगोबिंदपुर साहिब में सामाजिक एवं आर्थिक जनगणना प्रशिक्षण का पहला चरण सफलतापूर्वक संपन्न

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) - श्री हरगोबिंदपुर साहिब के बीडीपीओ कार्यालय में सामाजिक एवं आर्थिक जनगणना से संबंधित प्रशिक्षण का पहला चरण बेहद सुचारू और प्रभावशाली ढंग से सफलतापूर्वक पूरा हो गया। यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण शिविर एडीसी (जनरल) गुरसिमरन सिंह ढिल्लों की देखरेख में आयोजित किया गया।

प्रायोगिक सत्र से मजबूत की गई सर्वेक्षकों की समझ : इस विशेष प्रशिक्षण कैंप में श्री हरगोबिंदपुर साहिब ब्लॉक स्तर से पहुंचे मास्टर ट्रेनर्स द्वारा लगभग 40 सर्वेक्षकों और गिनतीकारों को जनगणना प्रक्रिया के हर पहलू के बारे में विस्तार से व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को फील्ड में डेटा एकत्र करने के वैज्ञानिक व प्रामाणिक तरीकों, मोबाइल एप्लिकेशन के सटीक उपयोग और निर्धारित समय सीमा के भीतर सर्वे को पूरा करने के लिए जरूरी तकनीकी व प्रबंधकीय बारीकियों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान आयोजित प्रैक्टिकल सेशन के माध्यम से उनकी समझ को और मजबूत किया गया, जिससे जमीनी स्तर पर काम करने के लिए उनकी तैयारी को नया बल मिला है।

भविष्य की सरकारी नीतियों का आधार बनेगा यह सर्वे-एडीसी ढिल्लों

इस अवसर पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए एडीसी ढिल्लों ने कहा कि सरकार द्वारा करवाए जाने वाले ये सामाजिक और आर्थिक सर्वे आम जनता के जीवन स्तर, आर्थिक स्थिति और रहन-सहन के बारे में बेहद महत्वपूर्ण व सटीक आंकड़े प्रदान करते हैं। यही डेटा भविष्य की विकास योजनाएं तैयार करने और जन-कल्याणकारी नीतियों को अधिक प्रभावी व लक्षित बनाने में मुख्य भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी तैनात कर्मचारियों से अपील की कि वे अपनी ड्यूटी को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाएं ताकि सर्वे की गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर कोई आंच न आए।

पारदर्शिता के लिए सर्वेक्षकों को सौंपे गए मोबाइल फोन: कार्यक्रम के दौरान जिला को-ऑर्डिनेटर एवं प्रभारी गुरप्रीत ने ट्रेनिंग में शामिल सभी सुपरवाइजरों और गिनतीकारों का स्वागत किया और उन्हें सरकार द्वारा सर्वे के लिए विशेष रूप से मुहैया करवाए गए मोबाइल फोन सौंपे। उन्होंने कहा कि इन तकनीकी सुविधाओं और गैजेट्स के उपयोग से सर्वे की पूरी प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनेगी।

अनुभवी अधिकारियों की रही सक्रिय भागीदारी : इस प्रशिक्षण कैंप को सफल बनाने में जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा, सी.जी.आर.पी परमजीत सिंह, बीडीपीओ श्री हरगोबिंदपुर साहिब नरिंदर सिंह, नवजोत कौर और अन्य अनुभवी ट्रेनर्स की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने अपने व्यावहारिक अनुभव और विशेषज्ञता से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें प्रेरित किया।

नूरमहल में चुनावी माहौल गरमाया

बुजुर्ग पर छेड़छाड़ का आरोप, हिरासत के बाद बिगड़ी तबीयत, थाने के बाहर प्रदर्शन

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर
31 मई (डोगरा)

जालंधर जिले के अधीन आते नूरमहल में नगर परिषद चुनाव के बीच एक गंभीर विवाद सामने आया है, जिसने इलाके का माहौल पूरी तरह गरमा दिया है। एक बुजुर्ग व्यक्ति पर महिला से छेड़छाड़ के आरोप लगे, जिसके बाद पुलिस कार्रवाई, स्वास्थ्य बिगड़ने और राजनीतिक प्रदर्शन ने मामले को और संवेदनशील बना दिया।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नूरमहल के कोटला मोहल्ला निवासी सरबजीत कौर ने थाना नूरमहल में लिखित शिकायत दी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि नगर परिषद चुनाव की गतिविधियों के दौरान उसी मोहल्ले के रहने वाले बलजिंदर सिंह (पुत्र राम शरण) ने उन्हें पीछे से धक्का दिया और सरेआम अश्लील हरकत की। महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी (SHO) लाभ सिंह ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस टीम ने आरोपी बुजुर्ग को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया।

हिरासत के दौरान बिगड़ी तबीयत

बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए जाने के कुछ समय बाद ही बुजुर्ग की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसी बीच मामले की सूचना फैलते ही स्थानीय लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में थाने के बाहर इकट्ठा हो गए।

थाने के बाहर जोरदार प्रदर्शन

बुजुर्ग की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नूरमहल थाने के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन में पार्षद जंग बहादुर कोहली, राकेश कलेर, दीपक कुमार दीपू, गुरदीप सिंह थम्मनवाल, राज कुमार सहोता, परमजीत पम्मा चहल, वरुण कोहली और मनमोहन गौतम शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

बेटे ने लगाए साजिश के आरोप

वहीं, आरोपी के बेटे राजेश कुमार ने मीडिया के सामने आकर सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता निर्दोष हैं और उन्हें चुनावी रंजिश के चलते झूठे मामले में फंसाया जा रहा है।

पुलिस ने किया रिहा, जांच जारी - बुजुर्ग की बिगड़ती तबीयत और बढ़ते तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस ने उन्हें हिरासत से रिहा कर दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

निष्कर्ष : चुनावी माहौल के बीच सामने आया यह मामला न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि राजनीतिक माहौल को भी प्रभावित कर रहा है। अब सबकी नजर पुलिस जांच पर टिकी है, जिससे सच्चाई सामने आ सके।

नशे के खिलाफ बड़ा एक्शनः 4 आरोपी हेरोइन व नशीली गोलियों और 1 अवैध शराब सहित गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
31 मई (संदीप सन्नी)

जिला पुलिस गुरदासपुर ने अलग-अलग क्षेत्रों से भारी मात्रा में हेरोइन, नशीली गोलियां और अवैध शराब बरामद कर कुल 5 आरोपियों को सलाखों के पीछे धकेल दिया है।

कार्रवाई नंबर 1 : हेरोइन और नशीली गोलियों के साथ 4 तस्कर काबू

गुरदासपुर जिला पुलिस ने अलग-अलग थानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए कुल 19 ग्राम 20 मिलीग्राम हेरोइन और 59 नशीली गोलियां बरामद कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है-

थाना कलानौर : पुलिस ने जाल बिछाकर लकी नामक व्यक्ति को काबू किया। उसके कब्जे से 08 ग्राम 20 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ थाना कलानौर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)-61-85 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

थाना दोरांगला : यहां पुलिस टीम ने मेजर सिंह को गिरफ्तार कर उसके पास से 06 ग्राम हेरोइन बरामद करने में सफलता हासिल की। आरोपी के खिलाफ धारा 21(बी)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

थाना तिब्बड़ : पुलिस ने सुनील नाम के आरोपित को दबोचकर उसके कब्जे से 05 ग्राम हेरोइन बरामद की। उसके खिलाफ थाना तिब्बड़ में धारा 21(ए)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

थाना धारीवाल : पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए हरप्रीत सिंह को काबू किया और उसके कब्जे से 59 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद कीं। आरोपी के खिलाफ धारा 22-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कार्रवाई नंबर 2 : थाना धारीवाल पुलिस ने 7500 एमएल अवैध शराब सहित एक पकड़ा

इसी अभियान के अंतर्गत आबकारी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी शिकंजा कसा

गया है। थाना धारीवाल की पुलिस ने एक अन्य गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जसपिंदर सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 7500 एमएल अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी जसपिंदर सिंह के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत थाना धारीवाल में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत होगा "Canvas of The Hills" कला महोत्सव का आयोजन

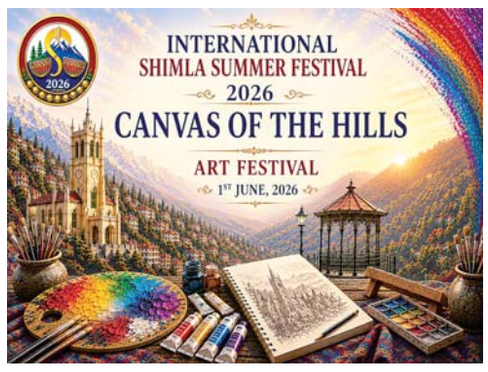

शिमला, (बी. शर्मा)- अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत कला एवं संस्कृति को समर्पित एक विशेष आयोजन "Canvas of The Hills" का शुभारंभ 1 जून 2026 को ऐतिहासिक रिज मैदान, शिमला में किया जाएगा। इस अनूठे कला महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित चित्रकार एवं कलाकार भाग लेंगे और शिमला की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों तथा सांस्कृतिक विरासत को अपने कैनवास पर जीवंत रूप देंगे।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि इस विशेष पहल के तहत कलाकार शिमला के प्रमुख स्थलों, पहाड़ी दृश्यों, ऐतिहासिक भवनों तथा आसपास के प्राकृतिक वातावरण का प्रत्यक्ष अवलोकन कर लाइव पेंटिंग एवं स्केचिंग करेंगे। इसके उपरांत कलाकार हिमालयी क्षेत्र की अद्भुत प्राकृतिक छटा को चित्रित करने के लिए स्पीति घाटी का भी भ्रमण करेंगे। इस कला यात्रा का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को कला के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना है। शिमला जिला प्रशासन द्वारा इस आयोजन के लिए कलाकारों को विशेष आमंत्रण दिया गया है।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि "Canvas of The Hills" कला महोत्सव का मुख्य उद्देश्य देशभर के कलाकारों को एक साझा मंच प्रदान करना, कला के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना तथा शिमला की अनुपम सुंदरता को रचनात्मक अभिव्यक्ति के जरिए व्यापक स्तर पर पहुंचाना है। यह आयोजन न केवल कलाकारों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा बल्कि स्थानीय कला प्रेमियों और पर्यटकों के लिए भी एक विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत आयोजित यह कला महोत्सव शिमला के सौंदर्य, संस्कृति और विरासत को रंगों एवं रचनात्मकता के माध्यम से एक नई पहचान प्रदान करेगा।

विभिन्न राज्यों के चित्रकार लेंगे हिस्सा - इस कला महोत्सव में पुणे, जोधपुर, विशाखापट्टनम, असम तथा शिमला सहित विभिन्न क्षेत्रों से कलाकार भाग ले रहे हैं। प्रतिभागी कलाकारों में शिरीष देशपांडे, मनोज सोमन, संदीप खेडकर, नितिन महामुनी, महेंद्र कोंडेकर, सुहासिनी एम. कोंडेकर, राधा सोमन, विनीता पुरोहित लोहरा, गुलजार हुसैन, साई मणिकिरण वेदुरुपर्थी, वामसी किरण पैला, देबप्रिया बेजबरुआह, नक्शदीप सिंह और राजेंद्र मेहता शामिल हैं।

विकास खण्ड पट्टा के अंतिम चरण के निर्वाचन के परिणाम घोषित

पट्टा मेहलोग, 31 मई (तारा) - सोलन जिला में पंचायती राज संस्थाओं के अंतिम चरण के निर्वाचन के परिणाम घोषित हो गए हैं। यह जानकारी ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड पट्टा की ग्राम पंचायत भावगुड़ी के प्रधान पद के लिए तरुण कुमार 30 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए जयपाल 137 मतों से विजयी घोषित किए गए। ग्राम पंचायत चडीयार के लिए अमर चंद 183 मतों से प्रधान पद तथा मुकेश कुमार 204 मतों से उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत दाड़वां के प्रधान पद के लिए किरण बाला 108 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए दिनेश कुमार 368 मतों से विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत गोयला के लिए 01 मत से निर्मला प्रधान पद तथा 107 मतों से गुरुदेव उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए। ग्राम पंचायत कैंडोल के लिए प्यारे लाल 19 मतों से प्रधान पद तथा शेर सिंह 112 मतों से उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत मंढेसर के लिए 119 मतों से सुमन कंवर प्रधान पद तथा 145 मतों से संजीव कुमार उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत पट्टा नाली के प्रधान पद के लिए आशा देवी 90 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए भूप सिंह 99 मतों से विजयी घोषित किए गए। ग्राम पंचायत सूरजपुर के लिए योगेन्द्र 605 मतों से प्रधान पद तथा सुभाष चन्द्र 61 मतों से उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए।

प्रदेश की चार में से तीन नगर निगमों पर भाजपा ने शानदार जीत हासिल कर 'कमल' खिलाया : जयराम ठाकुर

कहा, प्रदेश ने झूठी गारंटियां देने वाली कांग्रेस और झूठे मुख्यमंत्री को पूरी तरह से नाकारा , पंचायती राज से लेकर, स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी का दबदबा

» प्रथम न्यूज । मंडी
31 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की एकतरफा और भव्य जीत पर खुशी जताते हुए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश के लोगों ने झूठी गारंटी देने वाली कांग्रेस और झूठ बोलने वाले मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू को पूरी तरह से नकार दिया है। यह परिणाम बताते हैं कि मुख्यमंत्री द्वारा असंवैधानिक तरीके से काम करते हुए संविधान की धज्जियां उड़ाने वाले हथकंडे काम नहीं आए।

यह परिणाम बताते हैं कि कांग्रेस और मुख्यमंत्री का कोई प्रलोभन अब काम आने वाला नहीं है। उन्होंने साम दाम दण्ड भेद की पूरी कुटिल नीति अपनाई लेकिन उनकी एक भी नहीं चली। यह परिणाम आने वाले विधान सभा चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ़ कर देने का स्पष्ट संकेत भी है। साथ ही प्रदेश के लोगों ने साफ़ कर दिया कि उन्हें सिर्फ़ मोदी की गारंटी पर ही भरोसा है।

मंडी के ऐतिहासिक सेरी मंच पर आयोजित एक विशाल विजय रैली को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की जनता ने एक बार फिर से भाजपा के पक्ष में एकतरफा जनादेश देकर उन लोगों को करारा जवाब दिया है, जिन्हें हिमाचल के कांग्रेस मुक्त करने की बाते बुरी लग रही थी। उन्होंने कांग्रेस पर तंज

कसते हुए कहा कि सत्ताधारी दल लगातार झूठे दावे करता आ रहा था क्योंकि इससे पहले के चुनाव पार्टी सिंबल पर नहीं हुए थे, लेकिन अब जब नगर निगम के चुनाव सीधे पार्टी के चुनाव चिह्न पर लड़े गए, तो जनता ने कांग्रेस की नीतियों को पूरी तरह नकारते हुए उसे जमीन दिखा दी।

बाद में प्रेसवार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रदेश की चार में से तीन नगर निगमों पर भाजपा ने शानदार जीत हासिल कर कमल खिलाया है, जो पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत और जनता के आशीर्वाद का सीधा प्रतिफल है। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि प्रदेशभर में संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में भी लगभग 70 प्रतिशत जनप्रतिनिधि भाजपा समर्थित चुनकर आए हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी भाजपा की लहर बरकरार है। पंचायतों ने जो जनादेश दिया है वो भी सुक्खू सरकार के खिलाफ है और नगर निगमों में भाजपा को प्रचंड बहुमत कांग्रेस को हमारी चुनौती है कि कुर्सी छोड़ो और आराम करो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने झूठी गारंटियों, झूठे भाषणों और आश्वासनों से अपनी साख गिराई है। उन्होंने ये चुनाव जीतने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाये जो लोकतंत्र में उचित नहीं समझे जाते।

वोटरों को प्रलोभन और पार्षदों को पचास लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक में खरीदने के प्रयास हुए लेकिन जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है कि वो किसी सरकारी प्रलोभनों में नहीं आने वाली।

जयराम ठाकुर ने जिला परिषद और बीडीसी चुनावों में भी भाजपा को भारी जनसमर्थन मिलने का पूरा भरोसा जताया। उन्होंने इस प्रचंड जीत को विकास, सुशासन और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के प्रति जनता के अटूट विश्वास की जीत बताया। रैली के दौरान उन्होंने कांग्रेस सरकार को चेतावनी देते हुए बड़े आक्रामक लहजे में कहा कि इस बार तो जनता ने सिर्फ नगर निकायों में सबक सिखाया है, लेकिन आने वाले विधानसभा चुनावों में हिमाचल प्रदेश की जागरूक जनता यहां से कांग्रेस का राजनीतिक वजूद पूरी तरह समाप्त करके दम लेगी।

पत्रकार वार्ता के दौरान नेता प्रतिपक्ष के साथ मंच पर कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे, जिनमें स्थानीय विधायक अनिल शर्मा, बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी, दरंग के विधायक पूर्ण चंद, भाजपा प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य, प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा और जिला अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा शामिल थे, जिन्होंने एकजुटता दिखाते हुए मंडी और पूरे हिमाचल में भाजपा के इस विजय रथ को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया।

धर्मशाला नगर निगम में भाजपा की प्रचंड जीत, कांग्रेस केवल 5 सीटों पर सिमटी : सुधीर शर्मा

जनता ने सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार की जनविरोधी नीतियों को नकारा

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
31 मई (बी शर्मा)

भाजपा नेता एवं धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने धर्मशाला नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता के आक्रोश और भाजपा के प्रति बढ़ते विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है।

सुधीर शर्मा ने कहा कि धर्मशाला नगर निगम की 17 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी 11 सीटों पर विजय प्राप्त कर चुकी है, जबकि कांग्रेस मात्र 5 सीटों पर सिमट गई है और एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुआ है। यह परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जनता ने भाजपा के पक्ष में और कांग्रेस के खिलाफ अपना जनादेश दिया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर

सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पिछले वर्षों में प्रदेश की जनता को केवल परेशान करने का कार्य किया है। कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और आम लोगों की समस्याओं का समाधान करने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। जनता का यही असंतोष आज चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

सुधीर शर्मा ने कहा कि धर्मशाला की जनता ने विकास, सुशासन और जनहित की राजनीति पर विश्वास जताया है। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में चल रहे विकास कार्यों, गरीब कल्याण की योजनाओं और मजबूत नेतृत्व पर जनता की मुहर है। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और भाजपा की कार्यशैली पर जनता ने एक बार फिर अपना भरोसा व्यक्त किया है।

उन्होंने सभी विजयी भाजपा प्रत्याशियों, कार्यकर्ताओं और धर्मशाला की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए धर्मशाला के विकास को नई गति देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

नगर निगम चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने डॉ. राजीव बिंदल को दी बधाई

» प्रथम न्यूज । शिमला
31 मई (बी शर्मा)

नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा प्रदेश मुख्यालय दीपकमल, चक्कर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल को लड्डू खिलाकर जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राजीव बिंदल ने कहा कि मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगम चुनावों में भाजपा की शानदार जीत प्रदेश की जनता के भाजपा के प्रति विश्वास और कांग्रेस सरकार के प्रति असंतोष को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह जीत संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और जनता के आशीर्वाद का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और

जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता ने एक बार फिर अपनी मुहर लगाई है। नगर निगम चुनावों के परिणाम यह स्पष्ट संकेत देते हैं कि प्रदेश की जनता विकास और सुशासन की राजनीति के साथ खड़ी है।

सिद्धार्थन ने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत और समर्पण की जीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के विश्वास को बनाए रखते हुए विकास और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेगी।

इस दौरान प्रदेश मुख्यालय दीपकमल में उपस्थित कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की तथा विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दीं।

कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई बी.डी.सी. और जिला परिषद के मतों की गिनती

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
31 मई (जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर की चार पंचायत समितियों तथा जिला परिषद के मतों की गिनती आज प्रात: 9 बजे निर्धारित मतगणना केंद्रों में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई।

जिला में 4 पंचायत समितियों के अंतर्गत जिनमें बिलासपुर सदर के 25, झंडुता के 23, श्री नैना देवी जी के 15 तथा घुमारवीं के 34 वार्ड शामिल हैं सहित कुल 97 तथा जिला परिषद के कुल 14 वार्ड हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि बी.डी.सी. तथा जिला परिषद के विभिन्न वार्डों की मतगणना के लिए प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किये हैं। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए जिला में चार केंद्र स्थापित किये गए हैं जिनमें विकास खंड बिलासपुर सदर के अंतर्गत किसान भवन बिलासपुर, घुमारवीं में राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं, झंडुता में राजकीय महाविद्यालय झंडुता तथा श्री नैना देवी जी विकास खंड की मतगणना स्वारघाट स्थित नए बी.डी.ओ. कार्यालय परिसर में की जा रही है।

उपायुक्त ने कहा कि मतगणना प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी मतगणना केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की है तथा जिला नियंत्रण कक्ष से चारों मतगणना केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के भी व्यापक प्रबंध किए गए हैं तथा पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज देर शाम तक सभी नतीजे घोषित किये जाने की संभावना है।

जोगिंद्रा बैंक की पदोन्नतियों पर सवाल : NABARD से आरसीएस और प्रबंधन की जांच की मांग

जोगिंद्रा बैंक में भ्रष्टाचार और संरक्षणवाद के आरोप, एमडी पंकज सूद की भूमिका पर भी उठे सवाल

» प्रथम न्यूज । शिमला/सोलन
31 मई (एएम नाथ)

जोगिंद्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (JCCB), सोलन में कथित वित्तीय अनियमितताओं, विवादित पदोन्नतियों और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने NABARD, मुंबई के मुख्य सतर्कता अधिकारी (CVO) को विस्तृत शिकायत भेजकर रजिस्ट्रार सहकारी सभाएं (RCS), हिमाचल प्रदेश तथा बैंक प्रबंधन की भूमिका की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

शिकायत के अनुसार वर्ष 2022-23 में आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति (DPC) की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। अधिवक्ता शर्मा ने निशा ठाकुर की ओर से 14 जनवरी 2026 को आरसीएस शिमला को कानूनी नोटिस भेजकर पदोन्नति प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद 16 जनवरी और 18 मार्च 2026 को NABARD सहित विभिन्न सक्षम प्राधिकारियों को भी शिकायतें भेजी गईं। आरोप है कि इन शिकायतों और कानूनी नोटिसों पर अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और न ही कोई उत्तर प्रदान किया गया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बैंक के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए पदोन्नति प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। इनमें एजीएम राम पाल, कुलदीप सिंह, हरीश शर्मा तथा सीनियर मैनेजर गुरमीत सिंह सहित अन्य अधिकारियों के नाम शामिल हैं। शिकायतकर्ता का दावा है कि इन अधिकारियों के विरुद्ध विभिन्न शिकायतें, एफआईआर और सतर्कता जांच लंबित होने के

बावजूद उन्हें संवेदनशील पदों पर बनाए रखा गया तथा पदोन्नति लाभ देने की प्रक्रिया जारी है।

शिकायत में उल्लेख किया गया है कि एफआईआर संख्या 45/2019 और 29/2023 में राम पाल के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं और वह जमानत पर है। वहीं राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एफआईआर संख्या 00003/2025 में कुलदीप सिंह, राम पाल और गुरमीत सिंह सहित अन्य व्यक्तियों के नाम सामने आने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच लंबित होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों को प्रशासनिक संरक्षण दिया जा रहा है।

अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने बैंक के प्रबंध निदेशक पंकज सूद की भूमिका की भी स्वतंत्र जांच की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि योग्यता और वरिष्ठता के बजाय पक्षपातपूर्ण नीति अपनाकर कुछ अधिकारियों को लाभ पहुंचाया गया, जबकि कई कर्मचारियों के वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (ACR) प्रभावित कर उन्हें पदोन्नति से वंचित किया गया। शिकायतकर्ता ने NABARD से वर्ष 2022 की डीपीसी सहित पूर्व वर्षों की पदोन्नति प्रक्रियाओं की स्वतंत्र सतर्कता जांच कराने, लंबित शिकायतों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा जिन अधिकारियों के विरुद्ध गंभीर आरोप, एफआईआर या सतर्कता जांच लंबित हैं, उन्हें जांच पूरी होने तक पदोन्नति लाभ न देने की मांग की है। फिलहाल मामले में संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है और अब निगाहें NABARD तथा अन्य नियामक संस्थाओं की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर झांसा में श्रद्धापूर्वक मनाया गया समारोह

झांसा (सुनील कोमल) - गांव झांसा में पाल गडरिया समाज की चौपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा लड्डू बांटकर उनकी जयंती का उत्सव मनाया। कार्यक्रम के दौरान विनोद पाल होल्कर झांसा ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने जीवन को सनातन धर्म, समाज सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित किया।

उन्होंने देशभर में अनेक मंदिरों, बावड़ियों, धर्मशालाओं तथा विद्यालयों का निर्माण करवाकर समाज के उत्थान और शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर न्यायप्रिय, दयालु और प्रजावत्सल शासक थीं, जिनके उत्कृष्ट कार्यों के कारण जनमानस ने उन्हें देवी का दर्जा दिया।

उन्होंने कहा कि आज भी उनके आदर्श समाज को सेवा, न्याय और मानवता का संदेश देते हैं। उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सोमनाथ पाल, ओमप्रकाश, गुरनाम पाल, राकेश, कुलविंदर, मनीष पाल, काका, सचिन पाल, गोबिंदा सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को डेरा जलबेड़ा में होगा रुद्राभिषेक, महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज करेंगे शिरकत

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) - गांव जलबेड़ा स्थित समाध बाबा भोलेनाथ शिव मंदिर डेरा जलबेड़ा में प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को भगवान शिव की कृपा प्राप्ति एवं लोक कल्याण की भावना से विशेष रुद्राभिषेक एवं शिव पूजन का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु गोरखनाथ धाम, इस्माईलाबाद के महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज उपस्थित रहेंगे तथा श्रद्धालुओं के साथ भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक करेंगे।

मंदिर के संचालक महंत योगी सोमनाथ महाराज ने बताया कि रुद्राभिषेक भगवान शिव को प्रसन्न करने का सर्वोत्तम वैदिक अनुष्ठान माना जाता है। उन्होंने कहा कि रुद्राभिषेक करने से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भगवान शिव अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा से की गई आराधना से शीघ्र प्रसन्न होकर मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। उन्होंने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने कहा कि भगवान भोलेनाथ सृष्टि के कल्याणकारी देव हैं और रुद्राभिषेक उनके प्रति समर्पण एवं भक्ति का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि शिव की उपासना मनुष्य के भीतर आध्यात्मिक शक्ति, आत्मविश्वास और सदाचार का विकास करती है। रुद्राभिषेक के दौरान उच्चारित होने वाले वैदिक मंत्र वातावरण को पवित्र बनाते हैं तथा जनमानस में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने गुरु गोरखनाथ की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नाथ परंपरा सदैव योग, तप, सेवा और मानव कल्याण का संदेश देती रही है। गुरु गोरखनाथ ने समाज को आत्मज्ञान, अनुशासन और ईश्वर भक्ति का मार्ग दिखाया। उनके बताए हुए मार्ग पर चलकर व्यक्ति सांसारिक जीवन में रहते हुए भी आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारा, सद्भाव और संस्कृति के संरक्षण का कार्य करते हैं।

मंदिर प्रबंधन के अनुसार कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, शिव आराधना तथा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की जाएगी। क्षेत्र के श्रद्धालुओं में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

प्रीत सिटी सेक्टर-86 के निवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर दरवाजे पर जाएंगे : उम्भा

मोहाली, (सुरिन्दर पाल)- नगर निगम चुनाव में वार्ड नंबर 41 से जीत हासिल करने के बाद प्रीत सिटी सेक्टर-86 में आयोजित विजय उत्सव समारोह के दौरान पार्षद गुरप्रीत कौर उम्भा एवं उनके पति हरदेव सिंह उम्भा, प्रदेश प्रेस सचिव भाजपा पंजाब ने क्षेत्रवासियों का हृदय से धन्यवाद किया।

इस अवसर पर गुरप्रीत कौर उम्भा ने कहा कि प्रीत सिटी सेक्टर-86 के निवासियों ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सेक्टर के लोगों को दरपेश हर समस्या के समाधान के लिए वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी। हरदेव सिंह उम्भा ने कहा कि प्रीत सिटी सेक्टर-86 के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए वे और गुरप्रीत कौर उम्भा हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वे विधायक, सांसद, प्रशासनिक अधिकारियों तथा मुख्यमंत्री तक हर दरवाजे पर जाकर क्षेत्रवासियों की आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रीत सिटी सेक्टर-86 के अन-अप्रूव्ड प्लॉटों, बुनियादी सुविधाओं, सड़कों, सीवरेज, पेयजल आपूर्ति तथा अन्य जनहित के मुद्दों के समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में निवासियों ने भाग लिया और नवनिर्वाचित पार्षद गुरप्रीत कौर उम्भा को बधाई देते हुए अपने पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया।

मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन बना पत्रकार कल्याण में अग्रणीय, कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस देने वाली देश की पहली संस्था

मुफ्त स्वास्थ्य सुरक्षा, 10-10 लाख रुपये की बीमा योजनाएं, कानूनी सहायता और एआई प्रशिक्षण से हजारों पत्रकारों को मिल रहा लाभ

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

31 मई (मुकेश डोलिया)

मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन (एमडब्ल्यूबी) आज देश में पत्रकार कल्याण का एक सशक्त और प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभरा है। मीडिया कर्मियों और उनके परिवारों के लिए कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस उपलब्ध करवाने वाली यह देश की पहली संस्था बन चुकी है। पत्रकारों की सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है।

एमडब्ल्यूबी के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए संस्थापक सदस्यों को परिवार सहित कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस प्रदान किया गया है। भविष्य में इस सुविधा का दायरा और अधिक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था के कार्यक्रमों में प्रतिवर्ष 75 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले सदस्यों को यह सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

संगठन पिछले पांच वर्षों से पत्रकारों और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा सहित विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों पत्रकारों को 10-10 लाख रुपये की टर्म इंश्योरेंस तथा 10-10 लाख रुपये की एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पॉलिसी नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। टर्म इंश्योरेंस असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान करती है, जबकि एक्सीडेंटल पॉलिसी दुर्घटना की स्थिति में सुरक्षा कवच का कार्य करती है।

धरणी ने कहा कि पत्रकारिता आज एक चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा पेशा बन चुकी है। कई बार पत्रकारों को दुर्गम क्षेत्रों, आपदा प्रभावित इलाकों और संवेदनशील परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है। ऐसे में पत्रकारों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। एमडब्ल्यूबी ने इसी सोच के साथ हजारों पत्रकारों को विभिन्न सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया है।

चंडीगढ़ में पहली बार किसी संस्था द्वारा कैमरामैन के रूप में कार्यरत पत्रकारों को भी दस-दस लाख रुपये की एक्सीडेंटल इंश्योरेंस पॉलिसी उपलब्ध करवाई जा रही है। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए कैमरामैन समिति का संयोजक वरिष्ठ पत्रकार संजय सिंह को बनाया गया है।

एमडब्ल्यूबी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पत्रकारों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के सदस्यता, कैशलेस मेडिकल सुविधा, टर्म इंश्योरेंस और एक्सीडेंटल इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। यही कारण है कि संगठन उत्तर भारत में पत्रकारों के हितों के लिए कार्य करने वाला एक प्रभावशाली मंच बनकर उभरा है।

संस्था के गठन से लेकर उसके विस्तार तक केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा हरियाणा सरकार के वरिष्ठ मंत्री अनिल

विज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चंद्रशेखर धरणी ने दोनों नेताओं को संगठन की रीढ़ की हड्डी बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग ने संगठन को एक छोटे पौधे से विशाल वटवृक्ष में परिवर्तित करने का कार्य किया है।

धरणी ने बताया कि हाल ही में अनिल विज ने पत्रकारों के लिए कैशलेस मेडिकल पॉलिसी को साकार करने में अभूतपूर्व सहयोग दिया। वहीं मनोहर लाल ने भी संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा था कि मीडिया वेल-बीइंग संगठन जैसा नाम, वैसा ही काम कर रहा है। संस्था के मंच पर पूर्व मंत्री कंवर पाल गुर्जर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, मंत्री विपुल गोयल तथा मंत्री कृष्ण बेदी सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि संगठन के कार्यों की खुलकर सराहना कर चुके हैं।

पत्रकारों को आधुनिक तकनीक के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से एमडब्ल्यूबी ने हाल ही में पत्रकारों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया है। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण द्वारा इस पहल का शुभारंभ किया गया। धरणी ने बताया कि जल्द ही हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में विशेष एआई प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह पहल अनिल विज के सुझाव पर शुरू की गई है, जिनका मानना है कि एआई आधारित प्रशिक्षण पत्रकारिता को नई दिशा और नई गति प्रदान करेगा।

पत्रकार हितों की रक्षा के लिए संगठन ने मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराने हेतु एक मजबूत लीगल सेल का गठन भी किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कौशिक को लीगल सेल का चेयरमैन बनाया गया है, जबकि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा हरियाणा सरकार के पूर्व डिप्टी एडवोकेट जनरल सतीश सिरोही को उत्तर भारत का कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया है। संस्था से जुड़े पत्रकारों को आवश्यकता पड़ने पर कानूनी परामर्श और सहायता उपलब्ध करवाई जाती है।

उत्तर भारत में संगठन का विस्तार लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली इकाई के अध्यक्ष संजीव शर्मा, चंडीगढ़ के अध्यक्ष संजीव महाजन, पंजाब के अध्यक्ष सुमित खन्ना, हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष विशाल सूद तथा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष मीर आफताब अपने-अपने राज्यों में संगठन को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

उत्तर भारत स्तर पर संगठन का नेतृत्व अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी कर रहे हैं। उनके साथ महासचिव सुरेंद्र मेहता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश उप्पल, संजय भूटानी, भुवनेश झंडई और डॉ. अनिल दत्ता सक्रिय रूप से संगठन को आगे बढ़ा रहे हैं। संस्था के कोषाध्यक्ष तरुण कपूर तथा संगठन सचिव मेवा सिंह राणा संगठनात्मक गतिविधियों का सफल संचालन कर रहे हैं। वहीं मीडिया एवं प्रचार विभाग में पवन चोपड़ा, दीपक मिगलानी और सुनील सरदाना सहित अनेक पदाधिकारी संगठन की योजनाओं को पत्रकारों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा, जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, कानूनी सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण और पत्रकार कल्याण की अनेक योजनाओं के माध्यम से एमडब्ल्यूबी ने यह साबित किया है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो पत्रकारों के लिए एक प्रभावी सामाजिक सुरक्षा तंत्र तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि आज मीडिया वेल-बीइंग एसोसिएशन केवल एक संगठन नहीं, बल्कि पत्रकार कल्याण का एक राष्ट्रीय अभियान और देशभर के मीडिया कर्मियों के लिए उम्मीद का मजबूत मंच बन चुका है।

थैलेसीमिया मरीजों की सहायता हेतु झांसा में लगा रक्तदान शिविर

» प्रथम न्यूज । इस्माईलाबाद

31 मई (सुनील कोमल)

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सराहनीय पहल करते हुए मे आई हेल्प यू ग्रुप, झांसा द्वारा एम.एस. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, झांसा में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, महिलाओं एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया।

शिविर में कुल 115 लोग रक्तदान के लिए पहुंचे, जिनमें से 90 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। यह रक्त जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी सिद्ध होगा। रक्त संग्रहण का कार्य गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, सेक्टर-32 चंडीगढ़ की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन गाबा ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि इससे किसी व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान भी किया।

विद्यालय प्रबंधक रत्न लाल गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता का संदेश देते हैं तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

मे आई हेल्प यू ग्रुप के प्रधान गौरव गर्ग ने बताया कि थैलेसीमिया एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। शिविर के सफल आयोजन में कैंप इंचार्ज परविंदर सिंह मुत्ती एवं एडवोकेट अंशुमन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक समिति, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवकों एवं क्षेत्रवासियों का विशेष सहयोग रहा। रक्तदान शिविर सामाजिक एकता, सेवा भावना एवं मानवता के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बना।

इस मौके पर वरुण जसूजा, जय कुमार अग्रवाल, साहिल मल, करण कटारिया, सौरभ गर्ग, संत शर्मा, नीरज गुप्ता, नितिन मुंजाल, अमित गिरधर, सचिन पुजानी, नरेंद्र गुलाटी, जोनू ग्रोवर, संजीव गर्ग, रमन, कार्तिक सैनी, नीरज सिंगला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आयुर्वेद और योग का संगम बेहतर जीवनशैली की मजबूत नींव : डॉ मंजू शर्मा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

31 मई (बृज मोहन)

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि जिले के विभिन्न स्थानों पर योग एवं आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य आमजन एवं विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस शिविर के दौरान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धुराला में आयोजित स्कूल हेल्थ कैंप के दौरान डॉ. तृप्ता द्वारा विद्यार्थियों को दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट बलराज द्वारा विद्यार्थियों को निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इस शिविर में योग सहायक रजत कुमार द्वारा बच्चों को योग के महत्व से अवगत कराते हुए विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का अभ्यास भी कराया गया। इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर, लुखी की टीम द्वारा डेरा चकजगतिया की आंगनवाड़ी में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में डॉ. महिपाल द्वारा आमजन को ग्रीष्म ऋतु में होने वाले रोगों तथा मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी

बीमारियों के बारे में जागरूक किया गया एवं उनसे बचाव के उपाय बताए गए। आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट श्री संजीव कुमार द्वारा दवाइयों का वितरण किया गया तथा योग सहायक बाला द्वारा योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कलाल माजरा में आयोजित शिविर में डॉ. संतोष (ए.एम.ओ.) ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बढ़ती गर्मी से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने अधिक पानी पीने, धूप में सिर को ढकने, हल्के कपड़े पहनने तथा दोपहर में अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी। इसके साथ ही एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान धर्मबीर (फार्मासिस्ट) एवं बेबी रानी (ट्रेंड दाई) ने भी स्वच्छता बनाए रखने, मच्छरों से बचाव तथा रोगों की रोकथाम के बारे में लोगों को जागरूक किया। इसी कड़ी में आयुष आरोग्य मंदिर, दबखेड़ा द्वारा गांव निवारसी में आयोजित आयुर्वेदिक कैंप में डॉ. मीना ने मौसमी बीमारियों एवं हीटवेव से बचाव के उपायों की जानकारी दी। आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट सिम्मी द्वारा निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया तथा योग सहायक नरेंद्र द्वारा योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि योग एवं आयुर्वेद का नियमित पालन स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली की मजबूत नींव है।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे दैनिक जीवन में योग को अपनाएं, आयुर्वेदिक दिनचर्या का पालन करें तथा मौसम के अनुसार अपने खान-पान और दिनचर्या में आवश्यक बदलाव करें।

साइबर क्राइम मामले में 81.89 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

31 मई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ पुलिस के साइबर क्राइम थाना ने एक बड़े साइबर धोखाधड़ी मामले का सफलतापूर्वक पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला अनधिकृत सिम स्वैपिंग (SIM Swapping) और एक कॉर्पोरेट बैंक खाते से 81.89 लाख रुपये की धोखाधड़ी से निकासी से संबंधित है।

यह कार्रवाई यूटी चंडीगढ़ की एसपी साइबर गीतांजलि खंडेलवाल, आईपीएस के निर्देशन, डीएसपी साइबर क्राइम के मार्गदर्शन तथा थाना साइबर क्राइम, सेक्टर-17 के प्रभारी की निगरानी में की गई। इस संबंध में थाना साइबर क्राइम, चंडीगढ़ में एफआईआर नंबर 53 दिनांक 07.04.2026 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

गिरफ्तार आरोपी

1. राजदीप घोष (22 वर्ष) निवासी मसलानपुर, नॉर्थ 24 परगना, पश्चिम बंगाल।
2. तनय दास (26 वर्ष) निवासी नोआपारा, नॉर्थ 24 परगना, पश्चिम बंगाल।

मामला क्या है?

यह मामला सेक्टर-17 स्थित अल्फा फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड के एक कर्मचारी की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि कंपनी के बैंक खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर अचानक नेटवर्क से बाहर हो गया। बाद में जांच में सामने आया कि मोबाइल नंबर को धोखाधड़ी से सिम स्वैप कर लिया गया था।

आगे की जांच में पता चला कि बैंक खाते से जुड़े मुख्य और वैकल्पिक दोनों मोबाइल नंबरों से छेड़छाड़ की गई थी, जिससे साइबर अपराधियों को बैंक खाते तक अनधिकृत पहुंच मिल गई और उन्होंने 81.89 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली।

जांच में बड़ा खुलासा

तकनीकी विश्लेषण और फील्ड जांच के आधार पर पुलिस टीम पश्चिम बंगाल पहुंची, जहां से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी संगठित साइबर अपराधियों को बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराकर धोखाधड़ी में मदद करते थे।

जांच में यह भी सामने आया कि ठगी की गई राशि का एक हिस्सा आरोपी तनय दास के बैंक खाते में जमा हुआ था। मामले में इस्तेमाल किए गए सिम कार्ड का भी पता लगाया गया। आरोपियों ने अन्य फरार साथियों की संलिप्तता की जानकारी भी पुलिस को दी है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, बैंकिंग उपकरण, एटीएम कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं।

जांच जारी

पुलिस अब इस साइबर धोखाधड़ी से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के साथ-साथ पूरे धन प्रवाह (मनी ट्रेल) का पता लगाने में जुटी हुई है।

आम जनता के लिए सलाह

- किसी भी सत्यापन, गिरफ्तारी से बचने या फर्जी मामलों के निपटारे के नाम पर पैसे ट्रांसफर न करें।
- अपनी पहचान संबंधी दस्तावेज केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही साझा करें।
- किसी अन्य व्यक्ति को अपना बैंक खाता या सिम कार्ड उपयोग के लिए न दें।
- अपने नाम पर जारी सिम कार्डों की जानकारी TAFCOP पोर्टल के माध्यम से समय-समय पर जांचते रहें।
- व्हाट्सएप में अज्ञात कॉल को साइलेंट करने की सुविधा का उपयोग करें।
- आधार बायोमेट्रिक को लॉक रखें ताकि उसका दुरुपयोग न हो सके।
- किसी भी संदिग्ध कॉल या साइबर धोखाधड़ी की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें।

राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर हमारी जनगणना-हमारा विकास में सहयोग करें नागरिक : अनुभव मेहता

लाडवा 31 मई (बृज मोहन) एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि देश की प्रगति का आधार है। दुनिया के इस सबसे बड़े जनगणना अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए सरकार ने इस बार नागरिकों को सेल्फ एन्यूमरेशन यानी स्व गणना की सुविधा दी है, जिसके लिए आधिकारिक पोर्टल खुला रहेगा। कोई भी नागरिक पोर्टल एसई.सेंसस.जीओवी.आईएन पर स्व जनगणना कर सकता है। उन्होंने कहा कि भरोसा भी, भागीदारी भी के मंत्र के साथ हम सभी को देश के विकास में अपना सहयोग देना चाहिए। नागरिकों द्वारा दी गई सही जानकारी ही भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

एसडीएम अनुभव मेहता ने सरपंचों व ग्राम सचिवों को आश्वस्त किया कि उनकी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत आंकड़ों की गोपनीयता की कानूनी गारंटी दी गई है। यह डेटा सुरक्षित सर्वर पर एनक्रिप्टेड रूप में संग्रहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस डेटा का उपयोग किसी भी प्रकार की जांच, टैक्स या पुलिस कार्रवाई के लिए नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट में केवल संकलित आंकड़े ही प्रकाशित किए जाते हैं और किसी व्यक्ति का नाम या पता किसी को नहीं दिया जाता।

उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत फिलहाल मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है। डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हुए कोई भी नागरिक अपने परिवार का विवरण खुद भी भर सकता है। इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि आंकड़ों की सटीकता भी सुनिश्चित होगी। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए सरकार द्वारा टोल-फ्री नंबर 1855 भी जारी किया गया है। एसडीएम अनुभव मेहता ने अपील की है कि जनगणना के लिए आने वाले कर्मचारियों को सही जानकारी दें और निडर होकर इस प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना की जिम्मेदारी केवल सरकारी कर्मचारियों की ही नहीं बल्कि हर प्रबुद्ध नागरिक की भी है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का

संपादकीय

नमक से खा लीजिये, अहसान मत लीजिये

गुरबत मे जिंदगी गुजार लीजिये, नमक से खा लीजिये लेकिन किसी का अहसान मत लीजिये

क्यूंकि अहसान का बोझ ताउम्र सालता रहता है।

मद का पहला नियम यही है कि वो चुप रहे। असली मदद वही होती है जो हो जाए, असर छोड़े, और पीछे मुड़कर न देखे। जिस दिन मदद ने अपनी कीमत बोलनी शुरू कर दी, उस दिन वो मदद नहीं रहती – सौदा बन जाती है। और सौदे में हमेशा हिसाब-किताब होता है, ब्याज होता है, और अक्सर बंधक तुम्हारी आज़ादी होती है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

हमारी ज़िंदगी में ऐसे लोग आते हैं जो छोटी-छोटी बातों को पहाड़ बना देते हैं। तुमने उनसे एक बार रास्ता पूछा, उन्होंने तुम्हें मंज़िल तक छोड़ दिया। ठीक है, ये बड़ी बात है। लेकिन अगले दस साल तक हर बातचीत की शुरुआत वहीं से होगी। याद है उस दिन मैं न होता तो तुम...। वो भूल जाते हैं कि तुमने शुक्रिया कहा था, उन्होंने उसे रसीद बना लिया। धीरे-धीरे तुम्हारे हर फैसले पर उनकी परछाई पड़ने लगती है। तुम कोई नई नौकरी चुन रहे हो, तो सोचोगे – ये बुरा मान जाएंगे। तुम किसी से मदद मांग रहे हो, तो रुक जाओगे – कहीं ये सुन न लें। तुम अपनी ज़िंदगी जी रहे हो, लेकिन रिमोट कंट्रोल किसी और के हाथ में चला जाता है। मदद जो आज़ादी देनी थी, वो पिंजरा बन गई।

लोग अहसान का इजहार क्यों करते हैं? क्योंकि ये सत्ता हासिल करने का सबसे आसान तरीका है। पैसा, पद, ताकत – इन सबके लिए मेहनत लगती है। अहसान के लिए सिर्फ एक मौका चाहिए और एक लंबी ज़बान। जब तुम किसी के कर्ज़दार हो, तो वो तुम्हारे दिमाग में बैठ जाता है। तुम्हारा दिमाग खुद ही कहता है – इसका कहना मान लो, इसने तुम्हारे लिए किया है। ये मनोवैज्ञानिक बंधन शारीरिक जंजीर से ज़्यादा मज़बूत होता है। तुम देख नहीं सकते, तोड़ नहीं सकते, लेकिन हर कदम पर महसूस करते हो।

मद और व्यापार में एक महीन लकीर है। व्यापार में पहले से तय होता है – इतना दोगे, उतना लोगे। दोनों पक्ष जानते हैं कि ये लेन-देन है, कोई धोखा नहीं। लेकिन मदद का वादा ये होता है कि यहाँ कोई हिसाब नहीं होगा। तुम मुसीबत में हो, मैं हूँ। बस। अगर उसी मदद को बाद में हिसाब की किताब में दर्ज कर लिया जाए, तो वो विश्वासघात है। क्योंकि तुमने उस वक्त हाँ की थी जब तुम कमज़ोर थे। तुम्हारे पास मना करने का विकल्प नहीं था।

यही वजह है कि कहावत बनी- नमक से खा लीजिये, अहसान मत लीजिये। नमक की कीमत बाजार में लिखी है। तुम पैसे दो, नमक ले लो। लेन-देन खत्म। लेकिन एहसान की कोई कीमत नहीं लिखी होती। वो कीमत तुम्हारी मर्ज़ी, तुम्हारा समय, तुम्हारा आत्मसम्मान मांगती है। और ये कीमत चुकाने के बाद भी खत्म नहीं होती, क्योंकि एहसान याद रखा जाता है और याद दिलाया जाता है।

हमने बच्चों को यही सिखाया है – उनके सामने सिर झुका के रहना, उन्होंने तुम्हारे लिए बहुत किया है। हमने मदद को कर्ज़ बना दिया। अब बच्चा बड़ा होकर भी वही करेगा। वो भी हर जगह बताएगा कि उसने क्या किया। सोशल मीडिया ने इस आग में घी डाल दिया है। पहले अहसान चार लोगों तक सीमित रहता था, अब एक पोस्ट में हज़ारों तक पहुँच जाता है। आज मैंने फलां की मदद की – ये वाक्य मदद से ज़्यादा ब्रांडिंग बन गया है। मदद का मकसद अब ज़रूरतमंद का चेहरा नहीं, दाता का प्रोफाइल है।

इससे बाहर निकलने का रास्ता सीधा है। जब कोई बार-बार अपने किए का ज़िक्र करे, तो समझ जाओ कि ये मदद नहीं, निवेश था। निवेश पर रिटर्न मांगा जाता है। शुक्रिया कहो, दिल से कहो। लेकिन उसके बाद अपनी ज़िंदगी पर दावा वापस ले लो। किसी का अहसान तुम्हारी मर्ज़ी को बंधक नहीं बना सकता। जब तुम मदद करो, तो चुप रहो। जब तुम मदद लो, तो याद रखो, लेकिन गुलाम मत बनो। सबसे बड़ी इज्ज़त ये है कि तुम किसी के सामने झुको नहीं, सिवाय उस सच के जो तुम्हें सही लगे।

इतिहास गवाह है कि जितने भी बड़े बदलाव आए, वो उन लोगों ने लाए जिन्होंने अहसान के कर्ज़ को तोड़ा। गुलामी के बदले मिली सहूलियत भी गुलामी ही रहती है। हर क्रांति का पहला नारा यही होता है – अब बस। अब और किसी के एहसान तले नहीं दबेंगे। अब अपनी कीमत खुद तय करेंगे।

अगर तुम्हारी ज़िंदगी में भी कोई ऐसा है जो हर मौके पर अपने किए का हिसाब खोल बैठता है, तो एक बात याद रखो। तुम उनके खाते की एंट्री नहीं हो। तुम एक इंसान हो। मद का शुक्रिया अदा करो, लेकिन खुद को गिरवी मत रखो। क्योंकि जो दीपक सच में जलता है, वो अपनी लौ का हिसाब नहीं माँगता। वो बस जलता है।

और जो सिर्फ उजाला गिनाता फिरता है, समझ लो कि उसका दिया बुझने वाला है। अहसान का सौदागर ज़ोर से बोलता है, क्योंकि उसके पास दिखाने के लिए सिर्फ आवाज़ है। जिसके पास कर्म है, वो चुप रहता है – और उसकी चुप्पी ही सबसे बड़ी गवाही बन जाती है। जब वो चुप्पी टूटती है, तब ज़मीन हिलती है। और झूठे अहसान का महल सबसे पहले गिरता है।

भारत का आगे का रास्ता : धार्मिक पहचान और राष्ट्रीय जुड़ाव में संतुलन

सुरिन्दर पाल चौहान
चंडीगढ़

भारत कभी भी एक जैसी सभ्यता पर बना नहीं रहा है। यह एक ऐसी ज़मीन है जहाँ सदियों से अनगिनत धर्म, भाषाएँ, रीति-रिवाज और परंपराएँ एक साथ रही हैं और इसने एक अनोखी सभ्यता की सोच बनाई है जो अलग-थलग करने के बजाय सबको साथ लेकर चलने पर आधारित है। सम्राट अशोक की पुरानी शिक्षाओं से, जिन्होंने कलिंग युद्ध के बाद सभी पंथों का सम्मान करने की बात कही थी, कबीर और गुरु नानक जैसे संतों की सबको साथ लेकर चलने वाली आध्यात्मिक परंपराओं तक, भारत का इतिहास आस्था और सबके साथ के बीच लगातार बातचीत को दिखाता है। भारत का विचार कभी भी धार्मिक पहचान को मिटाने के लिए नहीं था; बल्कि, इसने एक साझा राष्ट्रीय सोच के अंदर अलग-अलग तरह की चीज़ों को एक साथ लाने की कोशिश की।

लेकिन, आजकल धर्म और राष्ट्रवाद से जुड़े सवाल बहुत ज़्यादा सेंसिटिव हो गए हैं। पब्लिक बातचीत अक्सर पॉलिटिकल बयानबाजी, गलत जानकारी और सोशल मीडिया की कहानियों से बंट जाती है, जो धार्मिक पहचान और देश के प्रति वफादारी को एक-दूसरे से अलग दिखाने की कोशिश करती हैं। ऐसी बाइनरी उस नींव को ही कमज़ोर करती है जिस पर मॉडर्न इंडिया बना था। बी. आर. अंबेडकर जैसे दूर की सोचने वालों की लीडरशिप में बने भारतीय संविधान ने जानबूझकर एक धर्म के विचार को खारिज कर दिया और इसके बजाय हर नागरिक को देश के डेमोक्रेटिक ढांचे में बराबर का हिस्सा बने रहते हुए धर्म को मानने और फैलाने की आज़ादी की गारंटी दी।

आज भारत के सामने चुनौती धर्म और राष्ट्र के बीच चुनने की नहीं है, बल्कि यह पक्का करना है कि दोनों एक साथ रहें, जिससे सामाजिक मेलजोल, संवैधानिक नैतिकता और राष्ट्रीय एकता मज़बूत हो। भारत की मिली-जुली संस्कृति ठीक यही रास्ता दिखाती है। राष्ट्र के बारे में भारत की समझ ऐतिहासिक रूप से दुनिया के कई हिस्सों में देखी जाने वाली पहचान की पक्की सोच से अलग रही है। भारतीय सभ्यता सांस्कृतिक लेन-देन, माइग्रेशन और आध्यात्मिक मेलजोल से विकसित हुई। पुराने व्यापार के रास्ते यहूदियों, ईसाइयों और पारसियों को कई नए राष्ट्र-राज्यों के बनने से बहुत पहले भारतीय तटों पर लाए थे। जुल्म के बजाय, इन समुदायों को अपनापन और सुरक्षा मिली। इस्लाम के आने से आर्किटेक्चर, संगीत, साहित्य, भाषा और आध्यात्मिकता के ज़रिए भारत का सांस्कृतिक माहौल और भी बेहतर हुआ। उत्तर भारत में गंगा-जमुनी तहज़ीब का उभरना परंपराओं के इस मेल का प्रतीक था, जहाँ अलग-अलग धर्मों के लोग एक-दूसरे की सामाजिक और सांस्कृतिक ज़िंदगी में हिस्सा लेते थे।

भक्ति और सूफी आंदोलनों ने मिलकर रहने की इस भावना को बढ़ावा देने में एक बड़ा बदलाव लाने वाला रोल निभाया। मोइनुद्दीन चिश्ती, निज़ामुद्दीन औलिया और कबीर जैसे संतों ने कट्टर सांप्रदायिक सीमाओं से परे दया, विनम्रता और भक्ति का उपदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आम भारतीयों के दिलों में उतर गईं क्योंकि उन्होंने बंटवारे के बजाय इंसानियत पर ज़ोर दिया। आज़ादी की लड़ाई के दौरान भी, अलग-अलग धार्मिक बैकग्राउंड के नेता कॉलोनियलिज़्म के खिलाफ़ एक साथ खड़े हुए। महात्मा गांधी ने बार-बार कहा कि धर्म को नैतिक आचरण को गाइड करना चाहिए, न कि नफ़रत को बढ़ावा देना चाहिए। इसी तरह, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे नेताओं ने तर्क दिया कि गहरा मुस्लिम होना और गहरा भारतीय होना एक-दूसरे से अलग पहचान नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे को पूरा करने वाली पहचान हैं।

आज़ाद भारत ने संवैधानिक सुरक्षा उपायों के ज़रिए इस सोच को संस्थागत बनाया। संविधान के आर्टिकल 25 से 28 धर्म की आज़ादी की गारंटी देते हैं, जिससे हर नागरिक आज़ादी से अपने धर्म को मान सकता है और उसका पालन कर सकता है। साथ ही, आर्टिकल 14, 15 और 16 कानून के सामने बराबरी पक्का करते हैं और धर्म, जाति, लिंग या जन्म की जगह के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाते हैं। इस तरह संविधान एक बैलेंस बनाता है जहाँ धार्मिक पहचान का सम्मान किया जाता है, लेकिन नागरिकता ही आम बाध्यकारी ताकत बनी रहती है। खास बात यह है कि आर्टिकल 32 के तहत संवैधानिक उपाय नागरिकों को यह अधिकार देते हैं कि जब भी बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन हो तो वे सुप्रीम कोर्ट जा सकें, जिससे संवैधानिक सुरक्षा सिर्फ़ दिखावटी नहीं बल्कि लागू करने लायक बन जाती है।

फिर भी, सिर्फ़ संवैधानिक गारंटी काफ़ी नहीं हैं, जब तक कि समाज मिलकर भरोसा और हमदर्दी न बढ़ाए। आज का भारत डिजिटल गलत जानकारी, इतिहास की चुनी हुई व्याख्याओं और राजनीतिक ध्रुवीकरण से बढ़ते सांप्रदायिक शक की चुनौती का सामना कर रहा है। धार्मिक पहचान का इस्तेमाल कभी-कभी चुनावी फ़ायदे के लिए किया जाता है, जिससे नागरिकों को देश की तरक्की में बराबर का हिस्सा मानने के बजाय सांप्रदायिक कैटेगरी में डाल दिया जाता है। ऐसे ये रुझान उस सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरा हैं जिसने ऐतिहासिक रूप से भारत को अलग-थलग करने वाले समाजों से अलग रखा है।

साथ ही, ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जो भारत की मिली-जुली संस्कृति को और पक्का करते हैं। पूरे देश में, हिंदू ईद मनाते हैं, मुसलमान गुरुपर्व पर लंगर बांटते हैं, सिख मुश्किल समय में मंदिरों और मस्जिदों की रक्षा करते हैं, और ईसाई धर्म की परवाह किए बिना लोगों की सेवा करने वाले एजुकेशनल और हेल्थकेयर इंस्टीट्यूशन चलाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं और देश की इमरजेंसी के दौरान, आम भारतीय बार-बार दिखाते हैं कि दया धर्म की सीमाओं से परे होती है। भारतीय सेना भी विविधता में एकता का एक मज़बूत उदाहरण बनी हुई है, जहाँ अलग-अलग धर्मों के सैनिक एक ही तिरंगे की रक्षा बराबर लगन से करते हैं।

भारत की असली ताकत एक ही समय में कई पहचानों को जगह देने की उसकी काबिलियत में है। एक इंसान एक ही समय में गर्व से धार्मिक और गर्व से भारतीय हो सकता है। संविधान नागरिकों से अपनी मान्यताओं को मिटाने के लिए नहीं कहता; यह उनसे न्याय, आज़ादी, बराबरी और भाईचारे को बनाए रखने के लिए कहता है।

ये मूल्य आस्था के खिलाफ नहीं हैं। असल में, ज़्यादातर धार्मिक परंपराएं दया, ईमानदारी और साथ रहने को ऐसे सिद्धांतों के तौर पर सपोर्ट करती हैं जो डेमोक्रेसी को कमज़ोर करने के बजाय मज़बूत करते हैं।

भारत का भविष्य धार्मिक पहचान और देश से जुड़ाव के बीच नाजुक लेकिन मज़बूत बैलेंस बनाए रखने पर निर्भर करता है। देश की सभ्यता की यात्रा दिखाती है कि डाइवर्सिटी कभी भी इसकी कमज़ोरी नहीं रही; यह हमेशा इसकी सबसे बड़ी ताकत रही है। ऐसे कई लोगों वाले समाज पर एक जैसापन थोपने की कोशिशों से भारत की आत्मा को ही नुकसान पहुंचने का खतरा है। देश की एकता डर या शक से नहीं बन सकती; यह आपसी सम्मान, कानूनी भरोसे और मिली-जुली ज़िम्मेदारी से ही आनी चाहिए।

भारत की मिली-जुली संस्कृति; जो सदियों से साथ रहने से बनी है, इसकी सबसे कीमती विरासत है। दुनिया भर में बंटवारे के दौर में, भारत एक ऐसे मॉडल के तौर पर खड़ा रह सकता है जहाँ आस्था और देश एक-दूसरे से टकराते नहीं हैं, बल्कि साथ-साथ रहते हैं। सच में भारतीय होने का मतलब अपनी धार्मिक पहचान को नकारना नहीं है, बल्कि इस बड़े विचार को अपनाना है कि बहुत ज़्यादा अलग-अलग होने के बावजूद भी एकता मुमकिन है।

विकास को बाधित करती रेवड़ी राजनीति

इस साल के लिए नियत लोकतंत्र का महोत्सव अब संपन्न हो चुका है। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के बाद नई सरकारों ने कमान भी संभाल ली है। चुनावी राज्यों में राजनीतिक दलों ने बड़े-बड़े वादे करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी और वे प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद से प्रेरित फ्रीबीज यानी रेवड़ी संस्कृति को ही पोषित करने वाले रहे। ऐसे वादों के पीछे कहीं न कहीं विषमता का एक पहलू भी जुड़ा है, क्योंकि समृद्ध लोगों और हाशिए पर मौजूद समूहों के बीच की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार लगभग 82.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं, जिनकी दैनिक आय तीन डॉलर से कम है। जबकि वैश्विक समृद्धि भी निरंतर बढ़ती जा रही है। स्पष्ट है कि अमीर और गरीब के बीच अंतर बढ़ने पर है और भारत भी इस वैश्विक रुझान से अछूता नहीं। विषमता के इस संदर्भ में वितरण और न्याय दो अहम कड़ियां हैं। इनसे मिलकर बनने वाली वितरणात्मक न्याय की संकल्पना केवल आर्थिक पुनर्वितरण नहीं, अपितु समाज के लिए अवसरों, जोखिमों और संसाधनों के आवंटन को नियंत्रित करने वाला एक नैतिक और राजनीतिक ढांचा भी है। एक स्थिर और समावेशी समाज के लिए यह अत्यंत आवश्यक है।

जिन समाजों में विषमता गहराई से समाई है, वहां वंचितों को लाभ पहुंचाकर मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वितरणात्मक न्याय महत्वपूर्ण उपाय है। इस दृष्टि से कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को राहत पहुंचाने के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं के पीछे भारतीय राजनीतिक दृष्टिकोण नितांत न्यायसंगत है। इसमें महत्वपूर्ण यही है कि क्या ये योजनाएं सरकारी खजाने को क्षति पहुंचाए बिना ही अभीष्ट की पूर्ति का माध्यम बन पा रही हैं या नहीं? यानी सरकारी खजाने को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है और अपेक्षा के अनुरूप परिणाम की प्राप्ति होती रही है या नहीं? आंकड़ें तो यही दर्शाते हैं कि बिना किसी शर्त के होने वाले हस्तांतरणों का दायरा 2018-19 की तुलना में 2025-26 के बीच 28.8 प्रतिशत बढ़ा है। तमाम राज्यों के लिए ऐसे उपाय पसंदीदा बनते जा रहे हैं। हालांकि ऐसे हस्तांतरणों की प्रकृति को देखें तो ये विशुद्ध उपभोग वाली सब्सिडी बन जाते हैं। इनसे प्रोत्साहनों को चोट पहुंचती है। निवेश क्षमता कुंद होती है। सरकार खजाने पर दबाव बढ़ता है। अंततः इससे वितरणात्मक न्याय के सिद्धांतों और उद्देश्यों को क्षति पहुंचती है। यह भी देखा गया है कि बहुत कुछ सहजता से प्राप्त होने की स्थिति में पुरुषार्थ

का भाव घटने लगता है। वैसे भी यही श्रेयस्कर माना गया है कि किसी भूखे को भोजन कराने से बेहतर है कि उसे वे तौर-तरीके सिखाए जाएं कि उसके समक्ष कभी भुखमरी की नौबत न आए।

इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन और मार्था नुसबाम %क्षमता दृष्टिकोण% (कैपेबिलिटी अप्रोच) का सुझाव देते हैं। उनका तर्क है कि न्याय की दृष्टि केवल आय पर केंद्रित न होकर इस पहलू पर भी होनी चाहिए कि व्यक्तियों को कार्य करने और आगे बढ़ने के %वास्तविक अवसर% मिलें। इसके अंतर्गत सुनिश्चित हो कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, गरिमा और काम के सार्थक अवसरों तक उनकी निर्बाध पहुंच हो। इस क्रम में नया दृष्टिकोण पूर्व-वितरण यानी प्री-डिस्ट्रीब्यूशन का है। अधिकांश अर्थशास्त्री विषमता की स्थिति निर्मित होने के बाद पुनर्वितरण की बात करते हैं, लेकिन आधुनिक सोच विषमता को रोकने के लिए समाज के पुनर्गठन और प्रभावी शासन पर ध्यान केंद्रित करता है। अमर्त्य सेन और मार्था नुसबाम के सुझाव अवसर की समानता के इसी नए दर्शन में पूरी तरह सटीक बैठते हैं, जिसका उद्देश्य ही विषमता की स्थिति निर्मित होने से रोकना है।

वैश्विक अनुभवों की बात करें तो युद्ध के बाद एक समय दक्षिण कोरिया कई अफ्रीकी देशों से गरीब था। सरकार भारी कल्याणकारी खर्च नहीं उठा सकती थी। इसके बजाय उसने सार्वभौमिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, ग्रामीण विद्युतीकरण, भूमि सुधार और औद्योगिकीकरण के लिए सस्ते ऋण पर ध्यान केंद्रित किया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी ने भी व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षु प्रणाली और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया।

वास्तव में, यह क्षमता निर्माण का कार्य था। भारत में भी रचनात्मक योजनाएं बनी हैं। हरित क्रांति, ग्रामीण विद्युतीकरण, मुफ्त शिक्षा, मध्याह्न भोजन, मुफ्त बिजली और गैस कनेक्शन और चिकित्सा सहायता को ऐसी योजनाओं में गिना जा सकता है। हालांकि मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सहायता अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही, क्योंकि स्कूली बुनियादी ढांचे, शिक्षण गुणवत्ता और अस्पताल की सुविधाओं और प्रबंधन के मोर्चे पर निवेश पर्याप्त नहीं। निजी स्कूल और निजी अस्पतालों की स्थिति बेहतर तो है, लेकिन वे गरीबों की पहुंच के दायरे से बाहर हैं। इसमें ब्राजील का उदाहरण अनुकरणीय हो सकता है। वहां वंचित परिवारों को तभी नकदी सहायता मिलती है, जब उनके बच्चे स्कूल जाते हैं, टीकाकरण पूरा करते हैं और स्वास्थ्य जांच कराते हैं। इस तरह अगली पीढ़ियां गरीबी की गर्त में जाने से बचती हैं।

भारत के संदर्भ में विडंबना यह भी है कि तमाम राज्यों की वित्तीय स्थिति दबाव में हैं, लेकिन चुनावी जीत के लिए वे रेवड़ी योजनाओं का सहारा लेने से बाज नहीं आ रहे। ऐसे वादों की पूर्ति का यही परिणाम होता है कि राज्य के पास भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए पर्याप्त संसाधन बचे ही नहीं रह जाते। स्पष्ट है कि जोर पकड़ती इस रेवड़ी संस्कृति के दौर में हमें दृष्टिकोण बदलना ही होगा। यह आम राय से ही संभव है जब सभी दल दलगत भावना से परे उठकर सोचें। मुफ्त की रेवड़ियों का उद्देश्य चुनाव जीतना नहीं, बल्कि प्रभावी वितरणात्मक न्याय होना चाहिए। यदि इसे बिना किसी रिसाव के ही मूर्त रूप दे दिया जाएगा तो इससे न केवल सामाजिक व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव प्रत्यक्ष दिखेंगे, बल्कि यह चुनावी जीत का आधार भी बनेगा।

जिन्होंने जीवन संवारा, वही आज बेसहारा : बीएस शैट्टी चेत

मनुष्य के जीवन में यदि कोई रिश्ता सबसे अधिक निस्वार्थ, पवित्र और त्यागमय होता है, तो वह माता-पिता का रिश्ता है। एक माँ अपने बच्चे को जन्म देने से पहले ही उसके सपनों को अपनी आँखों में सजाने लगती है और एक पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपने वर्तमान की खुशियों तक का त्याग कर देता है। माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी अपने बच्चों के पालन-पोषण, शिक्षा और भविष्य को संवारने में लगा देते हैं। वे अपने सुख-दुख, इच्छाएँ और आराम तक भूल जाते हैं ताकि उनके बच्चे जीवन में सफल हो सकें। लेकिन आज का सबसे दुखद और कड़वा सच यह है कि वही माता-पिता, जिन्होंने अपने बच्चों का जीवन संवारा, आज अपने ही जीवन में बेसहारा होते जा रहे हैं।

यह केवल किसी एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि पूरे समाज की बदलती मानसिकता का प्रतिबिंब है। आधुनिकता, भौतिकवाद और स्वार्थ की अंधी दौड़ ने इंसान को इतना व्यस्त और संवेदनहीन बना दिया है कि अब रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है। जिन माता-पिता ने अपने बच्चों को उंगली पकड़कर चलना सिखाया, वही आज बुढ़ापे में सहारे के लिए तरस रहे हैं। जिन आँखों में कभी बच्चों की सफलता के सपने चमकते थे, आज उन्हीं आँखों में अकेलेपन और उपेक्षा के आँसू दिखाई देते हैं।

हाल ही में सामने आई कई घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चेतावनी बनकर उभरी हैं। कई बुजुर्ग माता-पिता अपने ही घरों में अकेलेपन और बेबसी का जीवन जीने को मजबूर हैं। कुछ के बच्चे विदेशों में बस गए हैं, कुछ बड़े शहरों की चमक में खो गए हैं और कुछ ने अपने माता-पिता को केवल जिम्मेदारी समझकर उनसे दूरी बना ली है। यह स्थिति केवल दुखद नहीं, बल्कि समाज के नैतिक पतन का सबसे बड़ा संकेत है।

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हमारे शास्त्रों में 卐मातृ देवो भव:, पितृ देवो भव:卐 कहा गया है। अर्थात माता और पिता देवताओं के समान पूजनीय हैं। भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक अपनी मजबूती, संस्कारों और पारिवारिक एकता के लिए जानी जाती रही।

संयुक्त परिवारों में बुजुर्गों को अनुभव और ज्ञान का भंडार माना जाता था। घर के हर छोटे-बड़े निर्णय में उनकी राय महत्वपूर्ण होती थी।बच्चे दादा-दादी और नाना-नानी की कहानियों से संस्कार सीखते थे। परिवारों में बुजुर्गों का होना सौभाग्य माना जाता था।

लेकिन समय के साथ परिस्थितियाँ बदलती चली गईं। शहरीकरण, आधुनिक जीवनशैली और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सोच ने संयुक्त परिवारों को तोड़ दिया। लोग नौकरी और करियर की तलाश में घरों से दूर जाने लगे। धीरे-धीरे रिश्तों की गर्माहट कम होती गई और जीवन केवल आर्थिक सफलता तक सीमित हो गया। आज इंसान के पास सुविधाएँ तो बहुत हैं, लेकिन रिश्तों के लिए समय नहीं है।

आज का युवा वर्ग सफलता की ऐसी दौड़ में भाग रहा है, जहाँ संवेदनाओं और रिश्तों के लिए जगह कम होती जा रही है। बच्चों के पास सोशल मीडिया, मोबाइल फोन और मनोरंजन के लिए समय है, लेकिन अपने माता-पिता के साथ बैठकर कुछ पल बिताने का समय नहीं। तकनीक ने दुनिया को करीब तो कर दिया, लेकिन दिलों के बीच की दूरी भी बढ़ा दी। घरों में लोग साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से कट चुके हैं।

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

सबसे अधिक पीड़ा तब होती है, जब बुजुर्ग माता-पिता यह महसूस करने लगते हैं कि अब वे अपने ही बच्चों के जीवन में महत्वहीन हो गए हैं। वृद्धावस्था जीवन का वह चरण होता है, जब इंसान को सबसे अधिक सहारे और अपनापन की आवश्यकता होती है। इस उम्र में शरीर कमजोर हो जाता है, बीमारियाँ बढ़ जाती हैं और मन भावनात्मक रूप से बहुत संवेदनशील हो जाता है। ऐसे समय में यदि अपने ही बच्चे दूरी बना लें, तो यह पीड़ा किसी भी दर्द से अधिक गहरी होती है।

एक माँ अपने बच्चों के लिए रात-रात भर जागती है। वह खुद भूखी रहकर अपने बच्चों को खिलाती है। एक पिता अपनी जरूरतों को मारकर बच्चों की पढ़ाई और भविष्य के लिए संघर्ष करता है। वह अपनी इच्छाओं का त्याग कर बच्चों के सपनों को पूरा करने में लगा रहता है। लेकिन जब वही माता-पिता बूढ़े हो जाते हैं, तो कई बार उन्हें अपने ही घर में उपेक्षा और अकेलेपन का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति केवल दुखद नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए शर्मनाक भी है।

आज समाज में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या भी इसी बदलती सोच का परिणाम है। कभी भारत में वृद्धाश्रमों की कल्पना तक नहीं की जाती थी, क्योंकि यहाँ माता-पिता को परिवार की सबसे बड़ी धरोहर माना जाता था। लेकिन आज कई बुजुर्ग अपने जीवन का अंतिम समय वृद्धाश्रमों में बिताने को मजबूर हैं। यह केवल सामाजिक बदलाव नहीं, बल्कि संवेदनाओं के मरते जाने का संकेत है। सोचिए, जिस माँ ने अपने बच्चे को चलना सिखाया, वही माँ आज अपने अंतिम समय में अपने बच्चे के साथ के लिए तरस रही है। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है?

समाज में बढ़ती स्वार्थपरता भी इस समस्या का एक बड़ा कारण है। आज रिश्तों को भी लाभ और हानि के तराजू में तौला जाने लगा है। जब तक माता-पिता आर्थिक रूप से सक्षम रहते हैं, तब तक उनका सम्मान बना रहता है, लेकिन जैसे ही वे कमजोर होते हैं, उन्हें बोझ समझा जाने लगता है। यह सोच अत्यंत खतरनाक और अमानवीय है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान करना भूल जाता है, वह धीरे-धीरे अपनी संस्कृति और नैतिकता खो देता है।

हमें यह समझना होगा कि बुजुर्ग केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि उसकी जड़ होते हैं। जिस प्रकार एक वृक्ष अपनी जड़ों से शक्ति प्राप्त करता है, उसी प्रकार परिवार अपने बुजुर्गों के अनुभव और आशीर्वाद से मजबूत बनता है। बुजुर्गों के अनुभव जीवन की सबसे बड़ी सीख होते हैं। उन्होंने संघर्षों को देखा होता है, इसलिए उनकी सलाह नई पीढ़ी को सही दिशा दे सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम फिर से अपने संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटें। बच्चों को बचपन से ही माता-पिता के सम्मान और सेवा का महत्व सिखाया जाना चाहिए। केवल अच्छी शिक्षा और बड़ा करियर ही जीवन की सफलता नहीं है। वास्तविक सफलता वही है, जिसमें इंसान अपने माता-पिता को सम्मान और सुख दे सके। यदि कोई व्यक्ति पूरी दुनिया जीत ले, लेकिन अपने माता-पिता का दिल हार जाए, तो उसकी सारी उपलब्धियाँ व्यर्थ हैं।

स्कूलों और समाज में नैतिक शिक्षा को अधिक महत्व देने की आवश्यकता है। बच्चों को यह समझाया जाना चाहिए कि माता-पिता का सम्मान केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। मीडिया और फिल्मों को भी ऐसे संदेश देने चाहिए, जो परिवार और बुजुर्गों के महत्व को उजागर करें। आज मनोरंजन के नाम पर जिस प्रकार व्यक्तिवाद और स्वार्थ को बढ़ावा दिया जा रहा है, वह समाज के लिए चिंताजनक है।

सरकार को भी बुजुर्गों की सुरक्षा और सम्मान के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। वृद्धजन कल्याण योजनाओं को मजबूत बनाया जाना चाहिए। ऐसे कानूनों का सख्ती से पालन होना चाहिए, जो माता-पिता की उपेक्षा करने वाले बच्चों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएँ, आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा को बेहतर बनाना समय की आवश्यकता है। लेकिन केवल कानून इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। रिश्ते डर से नहीं, बल्कि प्रेम और संवेदनाओं से चलते हैं। हमें यह भी समझना होगा कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। आज जो युवा अपने माता-पिता की उपेक्षा कर रहे हैं, कल वे स्वयं भी वृद्ध होंगे। तब उन्हें भी उसी सहारे और प्रेम की आवश्यकता होगी, जिसकी आज उनके माता-पिता को जरूरत है। जीवन एक चक्र है। जो व्यवहार हम अपने माता-पिता के साथ करते हैं, वही आने वाली पीढ़ी हमसे सीखेगी।

हर व्यक्ति को अपने माता-पिता के साथ समय बिताना चाहिए। उनकी बातें सुननी चाहिए, उनकी जरूरतों को समझना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि वे अकेले नहीं हैं। कई बार बुजुर्गों को केवल दो मीठे शब्दों और थोड़े से अपनापन की आवश्यकता होती है। उनके चेहरे पर मुस्कान लाना किसी तीर्थ या पूजा से कम नहीं है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब हम छोटे थे, तब हमारे माता-पिता ने कभी यह नहीं कहा कि वे हमारे लिए बहुत व्यस्त हैं। उन्होंने हमारे हर आँसू को अपना दर्द समझा और हमारी हर खुशी के लिए संघर्ष किया। इसलिए जब वे बूढ़े हो जाएँ, तो हमारा कर्तव्य बनता है कि हम उनका सहारा बनें। आज समाज को सबसे अधिक आवश्यकता संवेदनशीलता की है। यदि किसी घर में बुजुर्ग दुखी और अकेले हैं, तो यह केवल उस परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की असफलता है। आधुनिकता तभी सार्थक है, जब उसमें मानवीय मूल्य भी जीवित रहें। यदि विकास की कीमत रिश्तों और संवेदनाओं को खोकर चुकानी पड़े, तो ऐसा विकास अधूरा है।

हमें यह समझना होगा कि माता-पिता जीवन का वह अनमोल आशीर्वाद हैं, जिनका कोई विकल्प नहीं हो सकता। जब वे हमारे साथ होते हैं, तब हमें उनकी कीमत का एहसास नहीं होता, लेकिन जब वे चले जाते हैं, तब केवल पछतावा शेष रह जाता है। इसलिए जब तक हमारे माता-पिता हमारे साथ हैं, हमें उनका सम्मान करना चाहिए, उनकी सेवा करनी चाहिए और उन्हें यह महसूस कराना चाहिए कि वे हमारे जीवन की सबसे बड़ी ताकत हैं। जिस घर में बुजुर्गों की दुआएँ नहीं होतीं, उस घर की खुशियाँ भी अधिक समय तक नहीं टिकतीं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से जनगणना कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लेने का किया आग्रह

शिमला, (बी. शर्मा)- मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने निदेशालय जनगणना द्वारा दिए गए 'स्वगणना' विकल्प का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक 1 जून से 15 जून, 2026 तक स्वगणना पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना हमारे लोकतंत्र और विकास की रीढ़ है तथा

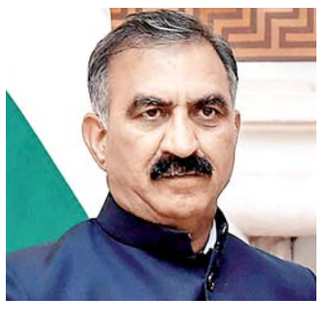

यह एक ऐसा महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके द्वारा हमें जनसंख्या, परिवारों की स्थिति, आवास, संसाधनों और नागरिकों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त होती है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जनगणना दो चरणों में की जाएगी, जिसमें प्रथम चरण में 16 जून से 15 जुलाई के बीच मकान सूचीकरण एवं मकान गणना तथा द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना डिजिटल मोड में की जाएगी, जिसमें प्रगणक और पर्यवेक्षक अपने मोबाइल का उपयोग कर मकानों एवं परिवारों की जानकारी को एकत्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के हिमाच्छादित क्षेत्रों में द्वितीय चरण का कार्य 11 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2026 के मध्य तथा शेष क्षेत्रों में 9 फरवरी, 2027 से 28 फरवरी, 2027 तक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा प्रगणक, पर्यवेक्षक और जनगणना से जुड़े कर्मचारियों को सही एवं पूरी जानकारी दें।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सोलन, (बी. शर्मा)- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सोलन द्वारा आज औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज़िला स्वास्थ्य अधिकारी सोलन डॉ. अमित रंजन तलवार ने की। डॉ. अमित रंजन तलवार ने तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों तथा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है। उन्होंने तंबाकू सेवन से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों तथा इसके प्रारंभिक लक्षणों के बारे में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया।

उन्होंने युवाओं से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिमाचल प्रदेश के शोधार्थी अभिषेक नेगी का राष्ट्रपति से विशेष संवाद कार्यक्रम हेतु चयन

शिमला (एएम नाथ)- डॉ. वाई.एस. परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट विभाग के पीएच.डी. शोधार्थी अभिषेक नेगी का चयन

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के विशेष संवाद कार्यक्रम हेतु किया गया है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम 2 जून 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा।

यह कार्यक्रम जनजातीय गौरव उत्सव के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत देशभर से चयनित प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया है। अभिषेक नेगी हिमाचल प्रदेश से इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले चयनित शोधार्थियों में शामिल हैं।

अभिषेक नेगी वर्तमान में प्रबंधन विषय में पीएच.डी. कर रहे हैं तथा उनका शोध भारत में गिग वर्कर्स की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों एवं उभरती कार्य चुनौतियों पर केंद्रित है। शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त वे हिमाचल प्रदेश में विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के माध्यम से सामाजिक सेवा कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही वे 11 बार स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज सेवा में योगदान दे चुके हैं।

अभिषेक नेगी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, विश्वविद्यालय परिवार तथा देवी-देवताओं के आशीर्वाद को दिया है। उन्होंने कहा कि यह अवसर उनके लिए गर्व एवं प्रेरणा का विषय है तथा वे भविष्य में भी समाज एवं राष्ट्रहित से जुड़े कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत माय चैंपियन - डॉग शो का आयोजन 10 जून को

» प्रथम न्यूज । शिमला
31 मई (बी.शर्मा)

अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के दौरान पशुपालन विभाग द्वारा 10 जून 2026 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक एक आकर्षक एवं प्रतिस्पर्धात्मक माय चैंपियन - डॉग शो का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य पालतू पशुओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जिम्मेदार पशुपालन को प्रोत्साहित करना तथा पशु प्रेमियों को एक साझा मंच प्रदान करना है।

प्रतियोगिता को अधिक रोचक एवं व्यवस्थित बनाने के लिए कुत्तों को छोटे (Small), मध्यम (Medium) तथा बड़े (Large) आकार की तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह (Memento) एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में पुलिस डॉग स्क्वॉड की विशेष भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी तथा पुलिस कुत्तों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। जिलाधीश शिमला अनुपम कश्यप ने बताया कि माय चैंपियन - डॉग शो अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 का एक विशेष आकर्षण होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बनते हैं, बल्कि पशु कल्याण, जिम्मेदार पशुपालन तथा पशुओं के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी पालतू पशु प्रेमियों एवं नागरिकों से इस अनूठे आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने और इसे सफल बनाने का आग्रह किया।

विजेता एवं उप-विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक पुरस्कार

- डॉग शो में विभिन्न श्रेणियों के विजेता एवं उप-विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।
- चैंपियन ऑफ द शो : 21,000 रुपए नकद, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र।
- प्रथम स्थान (प्रत्येक श्रेणी) : 11,000 रुपए नकद, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र।
- द्वितीय स्थान (प्रत्येक श्रेणी) : 5,000 रुपए नकद, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र।
- तृतीय स्थान (प्रत्येक श्रेणी) : 2,500 रुपए नकद, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र।

जिला प्रशासन शिमला ने सभी नागरिकों, पशुपालकों एवं पशु प्रेमियों से इस आयोजन में भाग लेने का आह्वान किया है। यह डॉग शो मनोरंजन के साथ-साथ पशु कल्याण एवं जिम्मेदार पशुपालन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा तथा अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहेगा।

हिमाचल में भाजपा की प्रचंड विजय, तीन नगर निगमों में पूर्ण बहुमत : सौदान सिंह

» प्रथम न्यूज । शिमला
31 मई (बी.शर्मा)

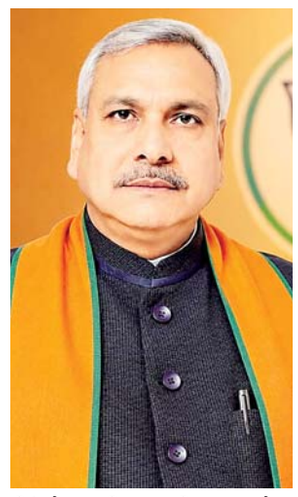

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रीय प्रभारी सौदान सिंह ने नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत पर प्रदेश की जनता, पार्टी नेतृत्व और समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सौदान सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की चार नगर निगमों में हुए चुनावों में भाजपा ने कुल 63 वार्डों में से 37 वार्डों पर विजय प्राप्त कर 59 प्रतिशत सफलता हासिल की है। भाजपा ने मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगमों में पूर्ण बहुमत प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की है। मंडी नगर निगम में भाजपा ने 14 में से 12 सीटें जीतकर 86 प्रतिशत सफलता हासिल की, धर्मशाला में 17 में से 11 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया तथा सोलन में 17 में से 10 सीटों पर विजय हासिल कर जनता का विश्वास जीता।

उन्होंने कहा कि यह परिणाम हिमाचल प्रदेश की जनता के मन की आवाज है। जनता ने विकास, सुशासन और जनसेवा की राजनीति को समर्थन देते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, गरीब कल्याण योजनाओं और राष्ट्रहित में लिए गए निर्णयों की जीत है। सौदान सिंह ने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अपनी मुहर लगाई है। जनता ने यह संदेश दिया है कि वह विकास और विश्वास की राजनीति के साथ खड़ी है। नगर निगम चुनावों के परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत हुआ है और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रतिफल जनता ने भाजपा को भरपूर समर्थन देकर दिया है।

उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, समस्त पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक विजय के लिए बधाई देते हुए कहा कि भाजपा जनता के विश्वास को और मजबूत करते हुए प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

संत निरंकारी मिशन द्वारा गरिमामयी बाल समागम का आयोजन

» प्रथम न्यूज । बीबीएन
31 मई (तारा)

संत निरंकारी मिशन ब्रांच बरोटीवाला द्वारा निमंत्रण पेलेश सनसिटी रोड बद्दी में परम पूज्य सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता रामित जी के पावन आशीर्वाद से संत निरंकारी मिशन के अन्तर्गत जोन 5ए की ब्रांच बरोटीवाला में आज एक विशाल और प्रेरणादायक बाल संत समागम का भव्य आयोजन किया गया। इस संत समागम में आस-पास के क्षेत्रों से आए 500 से अधिक बच्चों और इन के अलावा सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

इस पावन अवसर पर भाई साहब परमजीत मोमन अमृतसर (पंजाब) ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बचपन ही जीवन की वह मजबूत नींव है, जहाँ से सुंदर समाज का निर्माण होता है। यदि बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ शुरुआत से ही आध्यात्मिकता, सेवा, सत्संग और सिमरण के संस्कार दिए जाएं, तो उनका पूरा जीवन सहज, सरल और आनंदमयी बन जाता है। समागम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पूरी शालीनता और अनुशासन के साथ मंच संभाला, भक्तिमय गीत और भजन प्रस्तुत कर ईश्वर (निराकार) की महिमा का गुणगान किया।

प्रेरणादायक नाटकों (स्किट्स) और कविताओं के माध्यम से मानवता, प्रेम, विनम्रता और आपसी एकता का संदेश दिया। संपूर्ण हरदेव बाणी के पावन छंदों का सस्वर पाठ किया, जिसने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जोन 5ए सोलन के जोनल इंचार्ज विवेक कालिया ने कहा कि माता-पिता का यह परम कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को भौतिक शिक्षा के साथ-साथ आत्मिक ज्ञान (ब्रह्मज्ञान) से भी जोड़ें ताकि वे आगे चलकर देश के जिम्मेदार और परोपकारी नागरिक बन सकें।

यह समागम संपूर्ण विश्व में अमन, चैन और दीवार रहित संसार (वर्ल्ड विदआउट वाल्स) की भावना को मजबूत करने की प्रार्थना के साथ संपन्न हुआ। अन्त में ब्रांच की स्थानीय मुखी सुशीला अरोड़ा ने संत समागम में आए हुए सभी संतों और बच्चों के अभिभावकों, स्थानीय प्रसाशन व सभी सोलन जोन 5ए सेवादल के भाई-बहनों और प्रबंधक समिति द्वारा बेहद सुचारू रूप से की गई व्यवस्था में लगे सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत श्यामला कवि सम्मेलन एवं श्यामला मुशायरा का होगा आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
31 मई (बी.शर्मा)

ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत साहित्य, भाषा और संस्कृति को समर्पित दो विशेष कार्यक्रमों श्यामला कवि सम्मेलन तथा श्यामला मुशायरा का आयोजन गेयटी थियेटर, शिमला के सभागार में किया जाएगा। इन आयोजनों का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को मंच प्रदान करना, स्थानीय रचनाकारों को प्रोत्साहित करना तथा युवा पीढ़ी को साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़ना है।

यह जानकारी देते हुए उपायुक्त एवं अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव समिति के अध्यक्ष अनुपम कश्यप ने बताया कि ग्रीष्मोत्सव केवल मनोरंजन का मंच नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की सांस्कृतिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को आगे बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और ऐसे आयोजन समाज में संवेदनशीलता, रचनात्मकता तथा सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने बताया कि श्यामला कवि सम्मेलन का आयोजन 8 एवं 9 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक गेयटी थियेटर के सभागार में किया जाएगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए पहाड़ी एवं हिंदी भाषा के कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। कार्यक्रम में कविता पाठ के साथ-साथ हिंदी कवि गोष्ठी तथा साहित्यिक संवाद सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकारों एवं युवा रचनाकारों को एक ही मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

इसी क्रम में 10 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक श्यामला मुशायरा का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष साहित्यिक आयोजन में प्रतिष्ठित शायरों एवं उभरते रचनाकारों द्वारा उर्दू शायरी, ग़ज़ल, नज़्म तथा अदबी की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। मुशायरे के माध्यम से उर्दू साहित्य की समृद्ध परंपरा को सम्मान देने के साथ-साथ भाषा और संस्कृति के विविध आयामों को भी मंच प्रदान किया जाएगा।

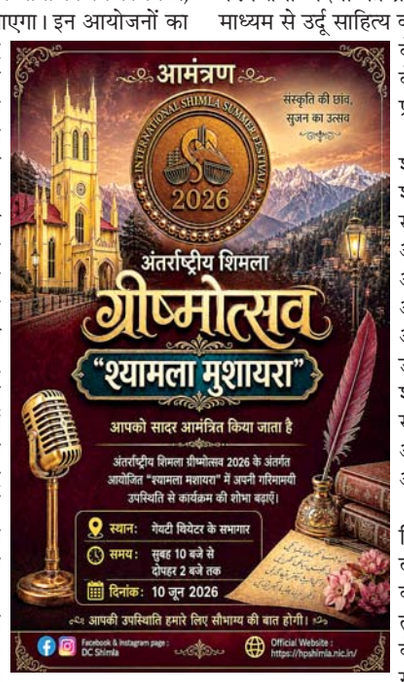

अनुपम कश्यप ने कहा कि श्यामला कवि सम्मेलन और श्यामला मुशायरा दोनों कार्यक्रम साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। इन आयोजनों में विचारों, भावनाओं और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। उन्होंने साहित्यकारों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा आम नागरिकों से इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोक कलाओं, साहित्यिक गतिविधियों तथा विभिन्न रचनात्मक आयोजनों के माध्यम से हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा। संस्कृति की छांव, सृजन का उत्सव की भावना के अनुरूप यह आयोजन साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में एक यादगार पहल सिद्ध होगा। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी DC Shimla के आधिकारिक फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज तथा जिला प्रशासन शिमला की आधिकारिक वेबसाइट https://hpshimla.nic.in/ पर उपलब्ध है।

पंचायती राज, नगर निकाय और नगर निगम चुनावों में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का जनमत संग्रह, भाजपा के पक्ष में आया ऐतिहासिक जनादेश : डॉ. बिंदल

कहा, जनादेश का अपमान कर रही सुक्खू सरकार, लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश बर्दाश्त नहीं करेगी भाजपा

» प्रथम न्यूज । शिमला
31 मई (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुए पंचायती राज संस्थाओं, नगर निकायों और नगर निगम चुनावों के परिणाम स्पष्ट रूप से बताते हैं कि प्रदेश की जनता ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को पूरी तरह नकार दिया है। यह चुनाव प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनमत संग्रह साबित हुए हैं, जिसमें जनता ने भाजपा के पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि नगर निकाय चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अधिकांश नगर परिषदों और नगर पंचायतों में बढ़त हासिल की। भाजपा ने अधिकृत रूप से अपने समर्थित उम्मीदवारों की सूची जारी की थी, जबकि कांग्रेस अपने प्रत्याशी घोषित करने तक का साहस नहीं जुटा सकी। इसके बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा 75 प्रतिशत निकाय जीतने के दावे करना राजनीतिक झूठ और जनता को भ्रमित करने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता के जनादेश को स्वीकार करने के बजाय उसका अपमान करने में लगी हुई है। नगर परिषदों के परिणाम आने के बाद जानबूझकर नोटिफिकेशन रोके गए और भाजपा को न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। जब अदालत में मामला पहुंचा तो सरकार को मजबूर होकर नोटिफिकेशन जारी करने पड़े। यह लोकतंत्र के प्रति कांग्रेस की मानसिकता को उजागर करता है।

डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनाव संबंधी नियमों में बदलाव कर चुने हुए प्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त का रास्ता खोलने का

प्रयास किया है। पहले निर्धारित समय सीमा में चुनाव करवाने का प्रावधान था, लेकिन अब अधिकारियों को मनमर्जी से बैठक बुलाने का अधिकार देकर हॉर्स ट्रेडिंग की संभावनाओं को बढ़ाया गया है। यह न केवल असंवैधानिक है बल्कि जनता के जनादेश के साथ खुला विश्वासघात भी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की 3759 पंचायतों में हुए चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। लगभग 74 प्रतिशत प्रधान और 77 प्रतिशत उपप्रधान पदों पर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की विजय इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों से त्रस्त है। मुख्यमंत्री के 80 प्रतिशत जीत के दावे पूरी तरह झूठे और तथ्यहीन हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि नगर निगम चुनावों में भी कांग्रेस का वास्तविक जनाधार सामने आ गया है। मंडी नगर निगम में भाजपा ने 14 में से 12 सीटें जीतकर कांग्रेस को केवल एक सीट पर समेट दिया। धर्मशाला में भाजपा ने 10 सीटों पर विजय प्राप्त की और सोलन में भी 10 सीट लेकर कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। पालमपुर में भी भाजपा का जनाधार लगातार मजबूत हुआ है। चार में से तीन नगर निगमों में भाजपा की स्पष्ट बढ़त इस बात का संकेत है कि प्रदेश में परिवर्तन की लहर चल पड़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने महिलाओं, युवाओं, किसानों, कर्मचारियों और आम जनता से किए गए वादों को पूरा करने के बजाय केवल धोखा दिया है।

महिलाओं को गारंटी के नाम पर ठगा गया, युवाओं को रोजगार के नाम पर भ्रमित किया गया और किसानों को राहत देने के बजाय संकट में छोड़ा गया। प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं और सरकार केवल संस्थानों, स्कूलों तथा कार्यालयों पर ताले लगाने में व्यस्त है। इस जनमत से साफ है कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में विश्वास दर्ज किया है। डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार की विफलताओं के कारण आज कर्मचारी, पेंशनर, युवा और विभिन्न वर्ग सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर हैं।

हिमाचल की जनता ने इन चुनावों के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि वह अब कांग्रेस सरकार के झूठ, कुशासन और जनविरोधी नीतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और जनादेश की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी तथा जनता की आवाज को दबाने के हर प्रयास का लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से जवाब देगी।

डॉ. राजीव बिंदल ने इस ऐतिहासिक विजय के लिए भाजपा के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, समर्थित उम्मीदवारों एवं मतदाताओं को हार्दिक बधाई दी तथा प्रदेश की जागरूक जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत, जनता के विश्वास और कांग्रेस सरकार के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश का परिणाम है।

ई साला कप नामड़ू, RCB ने लगातार दूसरी बार जीता IPL खिताब

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली के अर्धशतक के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ बेंगलुरु आईपीएल इतिहास की तीसरी टीम बन गई है, जिन्होंने लगातार दो बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। आरसीबी से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में ये कारनामा किया था। मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में अपनी ट्रॉफी को डिफेंड किया था। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए थे। 156 रनों के लक्ष्य को रजत पाटीदार की अगुवाई वाली टीम ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इसी के साथ उन्होंने फाइनल मैच को 5 विकेट से अपने नाम किया।

बेंगलुरु ने की गुजरात के खिलाफ धारदार गेंदबाजी – बेंगलुरु ने फाइनल में धारदार गेंदबाजी करते हुए शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को 20 ओवर में आठ विकेट पर महज 155 रन पर रोक दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की धीमी पिच पर आरसीबी के गेंदबाजों ने ऐसी सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की कि गुजरात के बल्लेबाज कभी भी लय हासिल नहीं कर सके। कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय किया और आरसीबी के गेंदबाजों ने उनकी रणनीति को एकदम सही साबित किया। जोश हेजलवुड (2/29) और भुवनेश्वर कुमार (2/37) की अगुवाई में तेज गेंदबाजों ने लगातार छोटी और शरीर की तरफ आती गेंदों का इस्तेमाल किया, जिससे गुजरात के बल्लेबाज खुलकर शॉट नहीं खेल सके। काली और लाल मिट्टी के मिश्रण वाली पिच बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं थी। गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी और यही गुजरात की बल्लेबाजी में भी साफ दिखाई दिया। पूरी पारी के दौरान केवल वॉशिंगटन सुंदर ही ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने संघर्ष करते हुए अविजित अर्धशतक लगाया। उन्होंने 37 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 50 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

फाइनल में फेल गिल और सुदर्शन की जोड़ी – गुजरात की शुरुआत भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। टीम को अपने दो सबसे सफल बल्लेबाजों कप्तान शुभमन गिल (10) और साई सुदर्शन (12) से बड़ी पारी की उम्मीद थी। दोनों खिलाड़ियों ने इस सीजन 700 से अधिक रन बनाए हैं, लेकिन फाइनल में वे प्रभाव छोड़ने में विफल रहे। गिल ने संभलकर शुरुआत की, लेकिन हेजलवुड की गेंद पर उनका शॉट बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर सीधा कप्तान रजत पाटीदार के हाथों में चला गया।

भुवनेश्वर कुमार ने IPL के रिकॉर्ड्स बुक में मचाई हलचल, जसप्रीत बुमराह को छोड़ा पीछे

आईपीएल 2026 में दिग्गज तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार कमाल की फॉर्म में रहे। उन्होंने बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और सीजन में 28 विकेट चटकाए। भुवी ने इसी के साथ इतिहास रच दिया है। उन्होंने स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। इसके अलावा मोहम्मद शमी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

बेंगलुरु के गेंदबाजों ने फाइनल मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की। पावरप्ले से ही गुजरात के बल्लेबाजों पर पर अपना दबदबा बनाए रखा। जीटी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 155 रन ही बना सकी। भुवनेश्वर ने मुकाबले में 2 विकेट हासिल किए और इसी के साथ उन्होंने बुमराह को पीछे छोड़ दिया है। वे खास लिस्ट में हर्षल पटेल से ही पीछे हैं और खास लिस्ट में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

IPL के एक सीजन में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज (भारतीय)

-हर्षल पटेल - 32 (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, 2021)
-भुवनेश्वर कुमार - 28 (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, 2026)
-मोहम्मद शमी - 28 (गुजरात टाइटंस, 2023)
-जसप्रीत बुमराह - 27 (मुंबई इंडियंस, 2020)
-युजवेंद्र चहल - 27 (राजस्थान रॉयल्स, 2022)
-मोहित शर्मा - 27 (गुजरात टाइटंस, 2022)

भुवनेश्वर कुमार ने जसप्रीत बुमराह को छोड़ा पीछे : भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 2 विकेट हासिल किए। इसी के साथ उनके इस सीजन 28 विकेट हो गए हैं। इसी के साथ वे एक सीजन में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। लिस्ट में पहले स्थान पर हर्षल पटेल हैं, जिन्होंने 2021 में 32 विकेट अपने नाम किए थे।

भुवी ने 28 विकेट ले लिए हैं। वे शमी के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2023 में 28 विकेट चटकाए थे।

शिवली पुलिस से मुठभेड़ में शातिर लुटेरा राहुल गिरफ्तार, मुकदमें एक दर्जन से अधिक

कानपुर (सुनील बाजपेई)- अपराधियों के खिलाफ जारी सफल अभियान में शिवली थाना क्षेत्र में मुठभेड़ की बाद पुलिस ने बाला लूटने वाले शातिर अपराधी राहुल पुत्र अतर सिंह, निवासी ब्रह्मनगर कंजड़ डेरा, थाना अकबरपुर को भी गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका एक साथी पहले ही पकड़ा जा चुका था।

जानकारी के मुताबिक शिवली पुलिस को यह सफलता अपने अब तक के कार्यकाल में छोटी बड़ी सभी घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए सभी अपराधियों को जेल भेजने में सफल इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह की अगुवाई में मिली। घटना के समय देर रात पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। उसी समय एक बाइक सवार पुलिस को देख भागने लगा, पीछा करने पर फायर किया। जवाबी फायरिंग में उसके दाएं पैर में गोली लगी और वहीं गिर गया। अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल अभियान में जुटे इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि हरदिया नाला गांव के राजेश की पत्नी रेखा देवी रविवार को कंडे पाथ रही थी। उसी समय अपाचे बाइक सवार दो लुटेरे आए और पता पूछने के बहाने उनका बाला नोंचकर भाग गए थे। जिसमें पुलिस ने एक आरोपित राजपुर के इस्माइल खां को बीते मंगलवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के साथ ही पीड़ितों की सहायता में भी अव्वल इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह के मुताबिक झपटमारी की घटना कारित करने वाले 01 अभियुक्त को एक पीली धातु का कान का बाला व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ कानपुर देहात व आसपास के जनपदों में 01 दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं।

लोकहित में अपनी धुन के पक्के इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर की अगुवाई में इस अपराधी को गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर शिवेन्द्र कुमार लोकेश कुमार ,कांस्टेबल अभिषेक कुमार, रवि, अंकुर और शिववर्धन भी शामिल रहे।

टैगोर थिएटर में सजी गीत संगीत की महफिल में घंटों झूमते रहे दर्शक

सेलिब्रेट मेलोडीज विद नीना के सौजन्य से मिनी टैगोर थिएटर में हुआ बिग म्यूजिकल प्रोग्राम का आयोजन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

31 मई (पुनीत महाजन)

मिनी टैगोर थिएटर में रविवार को ट्राइसिटी के कलाकारों ने अपनी आवाज का ऐसा जादू बिखेरा कि टैगोर कैंपस देर रात तक सदाबहार नगमों की मधुर आवाजों से गूंजता रहा। इस दौरान रंगीन लाइटों के बीच सदाबहार नगमों पर कलाकारों के साथ साथ दर्शक घंटों तक झूमते हुए आनंद की अनुभूति महसूस करते रहे। मौका था सेलिब्रेट मेलोडीज विद नीना के सौजन्य से आयोजित भव्य म्यूजिकल प्रोग्राम का,जिसमें ट्राइसिटी के 60 से ज्यादा गायक गायिकाओं ने भाग लिया। इस विशेष मनमोहक कार्यक्रम की थीम तेरे मेरे होठों पे मीठे मीठे गीत मितवा..रही।

इस बारे में कार्यक्रम की आयोजक एंव ट्राइसिटी की प्रसिद्ध गायिका नीना भाटिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीराधा कृष्ण भक्त प्रेम सागर गुप्ता ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। वहीं दुसरी ओर सहयोगी के रूप में शिरकत करते हुए सियाराम भक्त राजकुमार ने गणेश वंदना की है।

इस दौरान मुख्य अतिथि एंव स्टार सिंगर प्रेम सागर गुप्ता ने लगी आज सावन की झड़ी.. तथा कार्यक्रम की आयोजक एंव प्रसिद्ध गायिका नीना भाटिया ने पंकज के साथ नैनो में सपना... और नवीन दीवान के साथ ना जाने कहां से आई... गीत सुनाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस दौरान मिनी टैगोर थिएटर तालियों की आवाजों से गूंजता रहा। इसी तरह मोना शर्मा और राजकुमार बातिश ने प्रोग्राम का थीम सॉग तेरे मेरे होठों पे मीठे मीठे गीत मितवा..सुनाकर समा बांध दिया। इसी तरह से अनीता रत्न,सुरेन्द्र,नंद किशैर,अनिका,रंजू प्रसाद,एसएस प्रसाद,राहुल सोनी,निशू,नवीन दीवान,विजय गर्ग,ज्योति,आदर्श गोयल,आर सी दास,शिवानी,दयाल किशन,हेमलता,वैद बागडी,अनुपम गुप्ता सहित अन्य कलाकारों ने काटे नहीं कटते..,मेरे हाथों में.. जैसे सदाबहार नगमे पेश करके कार्यक्रम को यादगार बना दिया,जिसका श्रोताओं ने खूब आनंद उठाया। कार्यक्रम का मंच संचालक संजीव कौरा ने बेहतरीन ढंग से निभाया।

गायकों को बेहतरीन मंच प्रदान करना मुख्य उद्देश्य : आयोजक नीना भाटिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था,बल्कि उभरते हुए प्रतिभाशाली गायकों को बेहतरीन मंच प्रदान करना भी था,ताकि कलाकार अपनी प्रतिभा को ज्यादा निखार सकें।

प्रेमिका से मिलने एलओसी पार कर कश्मीर पहुंचा युवक

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

31 मई (ब्यूरो)

जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ आम लोगों का भी ध्यान खींचा है। एक युवक अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए लाइन ऑफ कंट्रोल पार कर भारत पहुंच गया। अब सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक युवक की पहचान 25 वर्षीय जीशान मीर के रूप में हुई है। वह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (क्क्ष्य) के मुजफ्फराबाद इलाके का रहने वाला बताया जा रहा है।

खबर है कि सेना की 12 ग्रेनेडियर्स यूनिट ने उसे उरी सेक्टर के सिलिकोट इलाके में हिरासत में लिया। जवानों को उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगी थीं। इसके बाद उसे पूछताछ के लिए ले जाया गया। फ़िलहाल उरी के थाने में उससे और पूछताछ की जा रही हैं। शुरुआती जांच में युवक ने दावा किया है कि वह किसी आतंकी या जासूसी मिशन पर नहीं आया है। उसने कहा कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए एलओसी पार करके भारतीय इलाके में पहुंचा हैं।

इस मामले में फिलहाल ऑन रिकॉर्ड कोई कुछ बोलने को तैयार नही हैं। सेना ने बस सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में एलओसी पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को पकड़ लिया है। सेना के मुताबिक पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके से आए इस घुसपैठिए को चिनार कॉर्प्स के जवानों ने सतर्कता के साथ रोका। जवानों ने उसे चुनौती दी और पूरी सावधानी बरतते हुए हिरासत में ले लिया। सेना ने कहा कि कार्रवाई के दौरान जवानों ने संयम का परिचय दिया और बिना किसी अनावश्यक बल प्रयोग के व्यक्ति को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार व्यक्ति को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंप दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार युवक सोशल मीडिया के जरिए कश्मीर की एक युवती के संपर्क में आया था। दोनों के बीच कई महीनों से बातचीत हो रही थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। बताया जा रहा है कि युवक युवती से मिलने और उससे शादी करने की इच्छा रखता था। इसी वजह से उसने सरहद पार करने का जोखिम उठाया।

हालांकि सुरक्षा एजेंसियां केवल युवक के दावे पर भरोसा नहीं कर रही हैं। फिलहाल इस मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति का अवैध रूप से सीमा पार करना गंभीर मामला है। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया है कि युवक के पास कोई वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे। उसके पास न वीजा था और न ही कोई अन्य अनुमति पत्र। इसलिए उसका भारत में प्रवेश पूरी तरह अवैध माना जा रहा है।

हलका प्रभारी बहल ने गांव पीरां बाग के विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपए का चेक सौंपा

कहा- हलका गुरदासपुर के विकास के लिए 24 घंटे जनता की सेवा में हाजिर हूँ

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

31 मई (संदीप सन्नी)

गुरदासपुर के हलका प्रभारी रमन बहल द्वारा गांव पीरां बाग में गांव के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपए का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह हलका गुरदासपुर के विकास के लिए 24 घंटे जनता की सेवा में हाजिर हैं और लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है।

बहल ने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार, लोगों के सर्वांगीण विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से जनता तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

पंजाब सरकार के ऐतिहासिक फैसलों का किया जिक्र

हलका प्रभारी ने पंजाब सरकार द्वारा महज चार साल के कार्यकाल के भीतर लिए गए बड़े और ऐतिहासिक फैसलों की चर्चा करते हुए निम्नलिखित मुख्य बातें बताईं

शिक्षा में सुधार : शिक्षा का स्तर और ऊंचा उठाने के लिए स्कूल ऑफ एमीनेंस खोले गए हैं।

साथ ही शिक्षकों को आधुनिक प्रशिक्षण के लिए फिनलैंड और सिंगापुर भेजा गया।

स्वास्थ्य सुविधाएं : लोगों की सेहत और बेहतर इलाज को ध्यान में रखते हुए आम आदमी क्लीनिक% खोले गए हैं और 10 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज के लिए स्वास्थ्य योजना लागू की गई है।

बिजली बिलों में राहत : आम जनता को आर्थिक राहत देते हुए घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 600 यूनिट तक के बिजली बिल माफ किए गए हैं।

महिला कल्याण : समाज में महिलाओं के सम्मान के लिए मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना (मातृ-पुत्री सम्मान योजना) शुरू की गई है और महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है।

किसान और मजदूर हित : श्रमिकों के हित में बड़े फैसले लेने के साथ-साथ, बेमौसम बारिश के कारण खराब हुई फसलों के लिए किसानों को उचित मुआवजा देने जैसे कई उल्लेखनीय निर्णय लिए गए हैं।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जनगणना महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य : प्राचार्य व शिक्षक करें स्व-गणना तथा विद्यार्थियों को भी करें प्रेरित-विनोद कौशिक

कुरुक्षेत्र 31 मई (बृज मोहन) जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु जिले के सभी विद्यालय प्राचार्यों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। यह जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें शिक्षा विभाग की भूमिका अत्यंत अहम है। सभी विद्यालय प्राचार्य यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिक्षक, विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करें। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने निर्देशित किया कि विद्यालय स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं। प्राचार्य अपने स्टाफ के माध्यम से विद्यार्थियों को स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया समझाएं तथा उन्हें प्रेरित करें कि वे अपने घरों में अभिभावकों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक पहले स्वयं स्व-गणना पूर्ण करें, ताकि वे विद्यार्थियों को सही एवं प्रभावी मार्गदर्शन दे सकें। विद्यालयों में प्रार्थना सभा, कक्षा गतिविधियों एवं अभिभावक बैठकों के माध्यम से इस विषय को प्रमुखता से उठाया जाए। विनोद कौशिक ने बताया कि स्व-गणना एक सरल, सुरक्षित एवं समय बचाने वाली ऑनलाइन प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इससे जनगणना कार्य अधिक पारदर्शी, स्टीक एवं सुगम बनेगा। सभी विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि जनगणना-2027 को सफल बनाया जा सके।

सर्वाइकल कैंसर के संक्रमण को खत्म करने के लिए 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को लगवाए एचपीवी वैक्सीन : अनुभव मेहता

लाडवा 31 मई (बृज मोहन) एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि एचपीवी एक वायरस संक्रमण है जोकि मुख्यता महिलाओं में गर्भाशय को प्रभावित करता है। यह संक्रमण बिना किसी विशेष लक्षण के सर्वाइकल कैंसर को पैदा कर सकता है, इसलिए एचपीवी संक्रमण से बचने के लिए हमें सरकार द्वारा जारी अभियान में जुडक़र एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाना चाहिए।

एसडीएम लाडवा अनुभव मेहता ने लाडवा उपमंडल के क्षेत्र में लगने वाले सभी गांवों के सरपंचों के साथ एचपीवी टीकाकरण को लेकर एक सभा का आयोजन किया। इसमें स्वास्थ्य विभाग के डॉ. विनीत व भारती वर्मा स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि सरपंच अपने स्तर पर गांव में जाकर विशेष सभाओं का आयोजन करें, जिसमें सभी अभिभावक जिनके 14 से 15 साल की बच्चियों हैं उनका विशेष रूप से समझाएं। उन्होंने एचपीवी वैक्सीनेशन योजना के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग खासकर महिलाओं को जागरूक करने के लिए सभी सरपंच को आग्रह किया। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलने के लिए आप कभी भी सरकारी अस्पताल लाडवा में संपर्क कर सकते हैं।

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि सरकार द्वारा 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी लड़कियों में एचपीवी वैक्सीनेशन किया जाना अति आवश्यक है। यह टीकाकरण बाजार में 2500 से 4000 कीमत में लगाया जाता है जबकि सरकारी संस्थान में यह बिल्कुल निशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन बिल्कुल ही सुरक्षित है। इससे किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव नहीं है। टीका पूरी तरह से सुरक्षित है तथा सर्वाइकल कैंसर से रोकथाम करता है। यह टीका नया नहीं है यह टीका वर्ष 2006 में मार्केट में उपलब्ध है। वैक्सीनेशन को प्रभावशाली और सुरक्षा के संबंध में कई अध्ययन भी किया जा चुके हैं।

अलग अलग 2 मामलों में 2 आरोपी काबू, 210 लीटर लाहण बरामद

कैथल, 31 मई (कृष्ण गर्ग)- एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार जिला कैथल पुलिस अवैध शराब का धंधा करने वाले अपराधियों पर कार्रवाई करते हुए अलग अलग 2 मामलों में 2 आरोपियों को काबू करके 210 लीटर लाहण बरामद हुआ। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सैल के एचसी अनिल कुमार की टीम को सांयकालीन गस्त दौरान एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव भूना निवासी जयपाल उर्फ जीपा के खेत कोठा थेह बुटाना प्लॉट पर दबिश देकर आरोपी जयपाल को काबू कर लिया गया। जांच दौरान आरोपी के कब्जे में प्लास्टिक ड्रम से 150 लीटर लाहण बरामद हुआ। एक अन्य मामले में तितरम पुलिस के एएसआई राममेहर सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव ड्योढ खेड़ी निवासी जयसिंह के खेत कोठा पर दबिश देकर आरोपी को काबू कर लिया गया। जांच दौरान खेत कोठा मे रखे प्लास्टिक ड्रम से 160 लीटर लाहण बरामद हुआ। दोनों आरोपियों के खिलाफ अलग अलग मामले दर्ज करके पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

मौली जागरा (चंडीगढ़) में बदहाल सड़कें और बहता सीवरेज का पानी बना जी का जंजाल, समाजसेवियों ने उठाई प्रशासन के खिलाफ आवाज

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

31 मई (पुनीत महाजन)

वार्ड नंबर 7, मौली जागरा में रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क इस समय अपनी बदहाली के आंसू रो रही है। प्रशासन और संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण स्थानीय निवासियों और राहगीरों का जीना दूभर हो गया है। आज हुई बारिश ने व्यवस्था के दावों की पूरी तरह पोल खोल कर रख दी है।

प्रमुख समाजसेवी पास्टर रॉबर्ट विलियम ने वार्ड के अन्य गणमान्य व्यक्तियों और समाजसेवियों के साथ मिलकर प्रशासन के इस उदासीन रवैये पर गहरी चिंता व्यक्त की है और तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

लापरवाही की इंतहा

खुदाई के बाद भगवान भरोसे छोड़ी सड़क : पास्टर रॉबर्ट विलियम ने बताया कि कुछ समय पहले इस सड़क पर पानी की पाइपलाइन डालने के लिए खुदाई की गई थी।

नियम और जिम्मेदारी के अनुसार, पाइप डालने के बाद विभाग को सड़क को पूरी तरह से ठीक और समतल करना चाहिए था, लेकिन इसे अधूरा और बदहाल ही छोड़ दिया गया। आज हुई बारिश के बाद यह पूरी सड़क एक खतरनाक दलदल में तब्दील हो चुकी है।

सड़क की स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि

- यहाँ से टू-व्हीलर (दोपहिया) और थ्री-व्हीलर (ऑटो) वाहनों का निकलना लगभग असंभव हो गया है।
- आए दिन वाहन फिसल रहे हैं और राहगीर चोटिल होकर गिर रहे हैं।
- स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए इस मार्ग से गुजरना किसी बड़े खतरे से कम नहीं है।

रेलवे कॉलोनी से बहते गंदे पानी ने बढ़ाई मुसीबत

समस्या सिर्फ टूटी सड़क तक सीमित नहीं है। रेलवे कॉलोनी की तरफ से आने वाला सीवरेज का गंदा और बदबूदार पानी लगातार सड़कों पर बह रहा है।

इस केमिकल और गंदगी युक्त पानी के कारण बनी-बनाई सड़क पूरी तरह टूट चुकी है और पूरे इलाके का वातावरण बदबूदार और दूषित हो गया है।

स्थानीय निवासियों में महामारी और गंभीर बीमारियां फैलने का डर बना हुआ है, लेकिन प्रशासन इस गंभीर समस्या से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठा है।

इन समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों ने उठाई पुरजोर मांग

इस गंभीर मुद्दे पर पास्टर रॉबर्ट विलियम के साथ नरेश कुमार, मिश्री लाल यादव, सतपाल, सद्दाम हुसैन, राजेन्द्र शर्मा, दिलावर सिंह, रेनू विलियम, रेखा, राजबाला तथा मौली जागरा के अन्य समाजसेवियों व गणमान्य व्यक्तियों ने एकजुट होकर प्रशासन के खिलाफ रोष प्रकट किया।

पास्टर रॉबर्ट विलियम का बयान

जब किसी विकास कार्य के लिए रोड की खुदाई की जाती है, तो उसे वापस सुचारू और प्रॉपर ठीक करना भी उसी संबंधित डिपार्टमेंट की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है।

विभाग अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। हम प्रशासन और नगर निगम के उच्च अधिकारियों से पुरजोर मांग करते हैं कि इस सड़क की तुरंत मरम्मत करवाई जाए और सीवरेज के गंदे पानी की निकासी का स्थायी समाधान किया जाए। अगर जल्द ही इस पर संज्ञान नहीं लिया गया, तो स्थानीय जनता को मजबूरन संघर्ष का रास्ता चुनना पड़ेगा।

नशे मुक्त हो जिला अभियान को कैथल पुलिस दे रही नई गति

गांव-गांव पहुंचकर युवाओं व आमजन को किया जा रहा जागरूक

» प्रथम न्यूज । कैथल

31 मई (कृष्ण गर्ग)

नशे मुक्त हो जिला मुहिम के तहत समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से कैथल पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशानुसार जिले भर में नशा जागरूकता अभियान निरंतर प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेषकर युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना है, ताकि समाज को नशामुक्त बनाया जा सके।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की नशा जागरूकता टीम में शामिल पीएसआई शनेष, एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई मनोज, एचसी दिनेश, सिपाही नसीब, महिला सिपाही नीलम, महिला एसपीओ गीता व एसपीओ चांदी राम की टीम द्वारा गांव कांगथली, सीवन व चीका के सभी वार्डों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों, युवाओं, विद्यार्थियों तथा महिलाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम द्वारा उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार, समाज और आने वाले भविष्य पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। युवाओं को विशेष रूप से जागरूक करते हुए उन्हें खेल, शिक्षा एवं रोजगार जैसे सकारात्मक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रह सकें। इसके साथ ही आमजन को यह भी अवगत कराया गया कि यदि उनके आसपास कहीं भी नशे का अवैध कारोबार हो रहा है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस टीम ने आश्वस्त किया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी और सूचना के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने भी पुलिस के इस अभियान की सराहना करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कैथल पुलिस का नशे के खिलाफ यह जागरूकता अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा, ताकि जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी और ठोस कदम उठाए जा सकें।

चंडीगढ़ एमसीसी वर्कर्स यूनियन ने शौचालय कर्मचारियों के लिए डी.सी. रेट और बकाया वेतन की मांग को लेकर किया जोरदार प्रदर्शन

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) - एमसीसी वर्कर्स यूनियन ने सार्वजनिक शौचालयों में कार्यरत कर्मचारियों को डी.सी. रेट लागू करने तथा पिछले तीन महीनों से लंबित वेतन का भुगतान करवाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। ज्वाइंट एक्शन कमेटी के कन्वीनर एवं एमसीसी वर्कर्स यूनियन के प्रधान सुरमुख सिंह ने बताया कि शौचालयों में कार्यरत कर्मचारियों को पहले डी.सी. रेट के अनुसार वेतन मिलता था, लेकिन कुछ अधिकारियों और पार्षदों द्वारा इस व्यवस्था को एम.ओ.यू. के माध्यम से निजी संस्थाओं को सौंप दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित संस्थाएं कर्मचारियों का लगातार शोषण कर रही हैं। पहले कर्मचारियों को 20 हजार रुपये से अधिक वेतन मिलता था, जबकि अब उन्हें मात्र 8 से 10 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से मांग की कि एम.ओ.यू. व्यवस्था समाप्त कर कर्मचारियों को पुन: डी.सी. रेट पर रखा जाए।

यूनियन के जनरल सेक्रेटरी रविन्द्र बिन्दु तथा हरशरण सिंह ने कहा कि शौचालय कर्मचारियों को कई-कई महीनों तक वेतन नहीं मिलता। संस्था ने फरवरी माह के बाद किसी भी कर्मचारी को वेतन का भुगतान नहीं किया है, जिसके कारण अनेक परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से संस्था के खिलाफ कार्रवाई कर कर्मचारियों का शोषण रोकने की मांग की।

यूनियन सलाहकार चौधरी नरेंद्र श्योराण, सतविंदर कुमार नारद, हुक्म चंद तथा जसबीर सिंह ने नगर निगम प्रशासन से अनुरोध किया कि शौचालय कर्मचारियों को सफाई कार्य हेतु आवश्यक उपकरण एवं सामग्री उपलब्ध करवाई जाए तथा संस्थाओं द्वारा किए जा रहे शोषण पर तत्काल रोक लगाई जाए। इस प्रदर्शन में एमसीसी वर्कर्स यूनियन के प्रधान सुरमुख सिंह के अलावा संजीव कुमार, राज कुमार, रणधीर सिंह, शुभम सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

साइबर ठगी का नया तरीका, कोरियर के नाम पर हो सकती है साइबर ठगी

जागरूक, सावधान एवं सतर्क रहकर अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई को ठगी होने से बचाए: एसपी मनप्रीत सिंह सूदन

» प्रथम न्यूज । कैथल

31 मई (कृष्ण गर्ग)

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के मार्गदर्शन में जिला कैथल में पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को साइबर अपराधो से बचने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस द्वारा शहरी/ग्रामीण क्षेत्र तथा स्कूल व कॉलेज इत्यादि में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है और लोगों को नयी तकनीकी के बारें में जागरूक किया जा रहा है कि किस प्रकार से साइबर क्रिमिनल नये नये तरीके अपनाकर लोगों को बेवकूफ बनाकर धोखाधड़ी करते है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि वर्तमान समय में कोरियर के नाम पर वित्तीय ठगी के मामले सामने आ रहे हैं ।

वारदात का तरीका

उक्त वित्तीय धोखाधड़ी के तरीका वारदात के बारे में एसपी

आपकी खुद की समझदारी साइबर ठगों पर पड़ेगी भारी

मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि जालसाज आपके पास कॉल या मैसेज करते है और कहते है की आपका पासपोर्ट या अन्य कोई सामान का कोरियर आना है। जिसकी कुछ 5-10 रुपये पेमेंट बाकी है। हम आपको एक लिंक भेज रहे है। आप आपकी बकाया पेमेंट इस लिंक से पे करदो, उसके बाद आपका कोरियर आ जाएगा। आमजन सोचता है कि 5-10 रूपये की बात है पे कर देते है। आपके द्वारा उस लिंक पर क्लिक करते ही साइबर ठग आपकी नई यूपीआई आईडी बना लेते है। जिसके माध्यम से आपकी नेक कमाई हड़प लेते है। इसलिए सतर्क एवं जागरूक रहकर साइबर ठगों से ठगी का शिकार होने से बचे। किसी भी प्रकार के लिंक पर क्लिक ना करें। किसी से अपना ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी या कोई अन्य निजी जानकारी सांझा ना करें। किसी भी प्रकार की वित्तीय या ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर 1930 पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। इसके अलावा अपनी शिकायत साइबर क्राइम थाना या आपके संबंधित थाने में स्थापित साईबर हेल्प डेस्क पर शिकायत दे।